राष्ट्र एवं राज्य के प्रगति पथ पर...

रायपुर एवं दुर्ग से प्रकाशित

समय दर्शन

ESTD : Since 2011

संस्थापक : स्व. श्रीमती निलिमा खड़तकर

निष्पक्ष निर्भीक खबरों के साथ

वर्ष 13, अंक 282 पृष्ठ 8, मूल्य 3.00 रूपये दुर्ग, रविवार 04 अगस्त 2024 www.samaydarshan.in

संक्षिप्त समाचार

तालाब में नहाने गए तीन बच्चे दो बालिकाओं की डूबने से मौत

खरगोन। जिले के ग्रामीण अंचल में एक दर्दनाक हादसा हो गया। इसमें दो मासूम बालिकाओं की मौके पर ही मौत हो गई। दरअसल थाना बलकवाड़ा के अंतर्गत आने वलो कुंडिया तालाब में करीब 11 से 13 साल के तीन बच्चे नहाने उतरे थे, लेकिन अचानक वे पानी में डूबने लगे। इसके बाद 13 वर्षीय एक बालक तो किसी तरह बचकर बाहर निकल आया। वहीं 11-11 साल की दो मासूम बालिकाओं की इसी दौरान डूबने से मौत हो गई। सूचना मिलते ही तुरंत मौके पर ग्रामीण पहुंचे और दोनों बालिकाओं को भी बाहर निकाला गया तब तक उनकी मौत हो चुकी थी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर पंचनामा बनाया। बताया जा रहा है थ्क तीनों बच्चे तालाब के आसप ास मवेशी चराने गए थे। यहां तालाब ददेख्ख पानी में नहाने उतर गए। इधर घटना की जानकारी लगते ही पूरे गांव में मातम पसर गया और बच्चों के परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल था।

बिहार में डेंगू के मरीजों की बढ़ रही संख्या, 'हॉट स्पॉट' पर कड़ी नजर

पटना। बिहार की राजधानी पटना सहित कई अन्य जिलों में बारिश के मौसम में डेंगू मरीजों की संख्या बढ़ने लगी है। हालांकि स्वास्थ्य विभाग लगातार निगरानी और एंटी लार्वा के छिड़काव का दावा कर रहा है। नगर निगम की टीम को भी छिड़काव के लिए लगाया गया है। बताया जाता है कि गुरुवार तक प्रदेश में इस साल 299 लोग डेंगू से पीड़ित हो चुके हैं, इनमें पटना के 99 लोग शामिल हैं। आंकड़ो की मानें तो गुरुवार को प्रदेश में 24 डेंगू पीड़ित नए मरीजों की पहचान हुई है। ये मरीज पटना के पाटलिपुत्र, बांकीपुर, पटना सिटी, अजिमाबाद, कंकड़बाग और संपतचक मोहल्ले में मिले हैं। इसके अलावा गया, मुजफ्फरपुर, नालंदा, वैशाली, सारण, खगड़िया और नवादा में भी मरीजों के मिलने की सूचना है। स्वास्थ्य विभाग का दावा है कि पटना के जो इलाके पिछले सालों में डेंगू के लिए हॉट स्पॉट बने हुए थे।

प्रमुख राजमार्ग अवरुद्ध

उत्तराखंड-हिमाचल प्रदेश में बादल फटने से 23 लोगों की मौत

नई दिल्ली/ एजेंसी

उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश में भारी बारिश के कारण भूस्खलन के कारण प्रमुख राजमार्ग अवरुद्ध हो गए हैं और जीवित बचे लोगों की तलाश के लिए बचाव अभियान तेज हो गया है। दोनों हिमालयी राज्यों में बादल फटने की घटनाओं में कम से कम 23 लोगों की मौत हो गई है। इनमें से 15 उत्तराखंड में और आठ पड़ोसी हिमाचल प्रदेश में हैं। अगले कुछ दिनों में दोनों राज्यों में और अधिक बारिश होने का अनुमान है। गुरुवार को बादल फटने के बाद भूस्खलन और मलबे के कारण संपर्क से कटे इलाकों तक पहुंचने के लिए बचावकर्मियों ने हिमाचल प्रदेश में ड्रोन तैनात किए हैं। भारतीय वायु सेना (आईएएफ) ने केदारनाथ के लिए बारिश से तबाह हुए ट्रेक मार्ग पर फंसे 800 तीर्थयात्रियों को निकालने के लिए चिनूक और एमआई17 हेलीकॉप्टर तैनात किए हैं। अगर मौसम अनुकूल रहा तो आज इन तीर्थयात्रियों को निकाला जा सकता है। हिमाचल प्रदेश में तीन शव बरामद किए गए, जिससे मरने वालों की कुल संख्या आठ हो गई। बादल फटने से कुल्लू के निरमंड, सैंज और मलाना इलाकों, मंडी के पधर और शिमला के रामपुर उपखंड में अचानक बाढ़ आ गई। बचावकर्मी बादल फटने के बाद लापता हुए 45 लोगों को खोजने के लिए समय से जूझ रहे हैं। राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र के अनुसार, पिछले 36 घंटों में तीन जिलों में 103 मकान पूरी तरह या आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त हुए हैं,

इसके अलावा छह मोटर योग्य और 32 पैदल पुल, दुकानें, स्कूल और वाहन क्षतिग्रस्त हुए हैं। हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुखू ने पीड़ितों के लिए 50,000 रुपये की तत्काल राहत की घोषणा की और यह भी कहा कि उन्हें अगले तीन महीनों के लिए किराए के लिए 5,000 रुपये प्रति माह दिए जाएंगे, साथ ही गैस, भोजन और अन्य आवश्यक वस्तुएं भी दी जाएंगी। मंडी और पंडोह के बीच तीन स्थानों पर भूस्खलन के बाद चंडीगढ़-मनाली राष्ट्रीय राजमार्ग कल रात से तीन स्थानों पर बंद है। सड़क अवरुद्ध होने के कारण राजमार्ग पर यातायात जाम हो गया है। छोटे वाहनों को कटौला और गोहर के माध्यम से वैकल्पिक सड़क पर भेजा गया है। राष्ट्रीय राजमार्ग 5 (रामपुर-किन्नौर) भी निगुलसरी में अवरुद्ध हो गया है और लुहारी-बंजार और कुल्लू को जोड़ने वाला राष्ट्रीय राजमार्ग 305 भी भूस्खलन के कारण अवरुद्ध है। वहीं उत्तराखंड में केदारनाथ, टिहरी, चमोली, देहरादून और हरिद्वार जिलों में बादल फटने से 15 लोगों की मौत हो गई है। अब तक केदारनाथ के रास्ते से 7,234 तीर्थयात्रियों को बचाया गया है, जिनकी यात्रा बादल फटने के कारण स्थगित कर दी गई थी। मौसम में सुधार होते ही केदारनाथ बचाव अभियान आज फिर से शुरू होने वाला है।

वायनाड भूस्खलन में 340 से अधिक लोगों की मौत, मलबे से अभी भी लोगों को बाहर निकाला जा रहा है

वायनाड: केरल के वायनाड जिले में हाल ही में हुए भूस्खलन ने पूरे राज्य को हिला कर रख दिया है. इस आपदा में अब तक 340 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है और सैकड़ों लोग बेघर हो गए हैं. मलबे से अभी भी लोगों को बाहर निकाला जा रहा है. राहत एंव बचाव कार्य युद्ध स्तर पर चल रहा है. वायनाड जिला प्रशासन ने अब यह स्वीकार किया है कि वे इस भयंकर त्रासदी को रोकने के लिए आवश्यक सक्रिय कदम उठाने में असफल रहे. भूस्खलन के कारण कई गांवों के लोग मलबे में दब गए और कई घर पूरी तरह से नष्ट हो गए. इस आपदा ने पूरे जिले में विनाशकारी असर डाला है, जिससे जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है.

सामने अल्कारेज की चुनौती

ओलंपिक स्वर्ण जीतने से एक कदम दूर नोवाक जोकोविच..

पेरिस/ एजेंसी

ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीतने से टेनिस के बादशाह नोवाक जोकोविच एक कदम दूर हैं। अल्कारेज रविवार को पुरुष टेनिस एकल में उन्हें चुनौती देंगे। दोनों के बीच होने वाला यह मैच विंबलडन फाइनल की यादें ताजा करने वाला होगा। ओलंपिक टेनिस के फाइनल में जगह बनाने वाले जोकोविच सबसे उम्रदराज पुरुष खिलाड़ी हैं जबकि अल्काराज सबसे युवा खिलाड़ी हैं। दोनों दिग्गजों के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिलेगी। जोकोविच ने अपने शानदार करियर में रिकॉर्ड 24 ग्रैंड स्लैम जीते हैं। हालांकि, वह अब तक ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीते हैं। वहीं, स्पेन के अल्कारेज ने लगातार दूसरी बार हाल ही में विंबलडन के फाइनल में जोकोविच को हराया था। हाल के दिनों में अल्कारेज सर्बिया के स्टार जोकोविच के सबसे बड़े प्रतिद्वंदी बन कर उभरे हैं। अल्कारेज ने जून में फ्रेंच ओपन चैंपियन बनने के बाद विंबलडन के फाइनल में सीधे सेटों में जोकोविच पर जीत के साथ अपने खिताब का बचाव किया था। उन्होंने 2023 विंबलडन फाइनल में भी इस दिग्गज को हराया था। शानदार लय में चल रहे अल्कारेज ने ओलंपिक सेमीफाइनल में कनाडा के फेलिक्स ऑगर अलियासिमे को आसानी से 6-1, 6-1 से शिकस्त दी थी। वहीं, जोकोविच ने लोरेंजो मुसेटी को 6-4, 6-2 से हराया। जोकोविच को बीजिंग (2008) में राफेल नडाल, लंदन (2012) में एंडी मरे, तोक्यो (2021) में अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने ओलंपिक सेमीफाइनल में हराया था।

जाको राखे साईंया मार सके ना कोय... 98 घंटे बाद मलबे से जिंदा मिले चार लोग

वायनाड। जाको राखे साईंया मार सके ना कोय... यह कहावत उस समय बिल्कुल सही साबित हुई, जब केरल के वायनाड में मलबे से चार दिन बाद चार लोग जिंदा मिले। इनमें दो महिलाएं और दो पुरुष हैं। बता दें कि इस हादसे अब तक 308 लोगों की मौत हो चुकी है। रेस्क्यू में जुटे बचावकर्मियों को अब तक 195 शव ही मिले हैं। इसके अलावा 105 लोगों के शव का कोई न कोई हिस्सा बरामद हुआ है, जिससे उनकी मौत कंफर्म हुई है। बता दें कि सेना, नेवी और एयरफोर्स के साथ बचावकर्मियों की 40 टीमें लोगों के रेस्क्यू में जुटे हुए हैं। रेस्क्यू ऑपरेशन को प्रभावी बनाने के लिए सर्च क्षेत्र को 6 अलग-अलग भागों में बांटने की बात चल रही है।

ठाकरे ने अमित शाह की जमकर आलोचना की

शाह को बताया अहमद शाह अब्दाली का राजनीतिक वंशज

नई दिल्ली/ एजेंसी

बीजेपी नेता और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कुछ दिन पहले पुणे के बालेवाड़ी में बैठक की थी। इस बैठक में अमित शाह ने शिव सेना उद्धव गुट की आलोचना की। अमित शाह ने कहा था कि उद्धव गुट ने कांग्रेस के पक्ष में हिंदुत्व छोड़ दिया है। आज पुणे में शिवसेना उद्धव गुट की बैठक हुई। इस बैठक में उद्धव ठाकरे ने अमित शाह की जमकर आलोचना की। साथ ही उनकी तुलना अहमद शाह अब्दाली से की है। उद्धव ठाकरे ने कहा कि कुछ दिन पहले पुणे में बीजेपी का

एक कार्यक्रम हुआ था। इतिहास पर नजर डालें तो कहना पड़ेगा कि शाहिस्ता खान थोड़ा चतुर था। वह अपनी उंगली पर खेलता था। तीन उंगलियां कट जाने के बाद वह वापस महाराष्ट्र नहीं आए। उद्धव ठाकरे ने परोक्ष रूप से केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की आलोचना करते हुए कहा कि अगर उन्होंने थोड़ी भी अक्ल ली होती तो वह महाराष्ट्र वापस नहीं आते। उद्धव ने कहा कि लेकिन वह (अमित शाह) वापस क्यों आये? लेकिन महाराष्ट्र की जनता ने जो झटका दिया, वो किसी पर भारी पड़ गया। वे यही देखने आये थे। अहमद शाह अब्दाली का एक राजनीतिक वंशज पुणे आया। वो अहमद शाह थे और ये अमित शाह हैं। यहां अहमद शाह की राजनीतिक शक्ति हिल गई। क्या हमें नवाज शरीफ का केक खाने वालों से हिंदुत्व सीखना चाहिए? उन्होंने कहा कि शिवसेना ने हिंदू धर्म छोड़ दिया है।

उद्धव ठाकरे पर देवेन्द्र फड़णवीस का पलटवार

वह वास्तव में औरंगजेब फैन क्लब के सदस्य हैं

नई दिल्ली। महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम देवेन्द्र फड़णवीस ने शिव सेना उद्धव गुट के प्रमुख उद्धव ठाकरे पर पलटवार किया है। देवेन्द्र फड़णवीस ने कहा कि उद्धव ठाकरे एक निराश व्यक्ति हैं और इस निराशा ने उनके दिमाग पर बुरा असर डाला है। फड़णवीस ने जोर देते हुए कहा कि आज के भाषण के बाद उन्होंने दिखाया है कि वह वास्तव में औरंगजेब फैन क्लब के सदस्य हैं। आपको बता दें कि महाराष्ट्र के पुणे में एक बैठक के दौरान शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने भाजपा नेता और देश के गृह मंत्री अमित शाह तथा देवेन्द्र फड़णवीस पर निशाना साधा था। उद्धव ने कहा

था कि अब लड़ाई मैदान में है, मैंने मुंबई में कहा था 'या तो मैं रहूं या तुम रहो।' यहाँ एक पोस्टर है। फोटो में मेरे पैरों के पास एक कलिंगाड (उद्धव ठाकरे, देवेन्द्र फड़णवीस को तरबूज कहते हैं) रखा हुआ है। कुछ लोगों ने सोचा कि मैंने उन्हें (देवेंद्र फड़नवीस) चुनौती दी है।

ये सिस्टमैटिक फेल्योर नहीं, नीट पेपर लीक केवल पटना-हजारीबाग तक ही सीमित

नई दिल्ली। नीट पेपर लीक मामले पर सुप्रीम कोर्ट ने फाइनल फैसला सुना दिया है। कोर्ट ने कहा कि सभी पक्षों की दलीलें सुनने के बाद हम इस नतीजे पर पहुंचे हैं कि यह एक सिस्टमैटिक फेलियर नहीं हैं। पेपर लीक का असर हजारीबाग और पटना तक ही सीमित है। हमने ढांचागत खामियों की ओर ध्यान दिया है। कोर्ट ने कहा कि एग्जाम देने वाले कैंडिडेट की पहचान सुनिश्चित करना, पेपर लीक को रोकने के लिए स्टोरेज के लिए स्ह्नक्क तैयार करना सरकार और एनटीए की जिम्मेदारी है।अगर किसी की शिकायत का निवारण सुप्रीम कोर्ट के फैसले से नहीं हुआ है।

पेरिस ओलंपिक

एक ओलंपिक में दो या उससे ज्यादा पदक जीतने वाली तीसरी महिला निशानेबाज बनीं मनु भाकर..

पेरिस/ संवाददाता

भारत की स्टार शूटर मनु भाकर ने इतिहास रचने से चूक गईं। वह एक ओलंपिक में दो पदक जीतने वाली भारत की पहली एथलीट हैं। वहीं, मनु ओलंपिक में भारत की ओर से सबसे सफल एथलीट में से भी एक हैं। मनु के अलावा अब तक किसी भारतीय एथलीट ने एक ओलंपिक में दो पदक नहीं जीते हैं। सुशील कुमार और शटलर पीवी सिंधू के नाम दो-दो पदक हैं, लेकिन अलग-अलग ओलंपिक में।सुशील ने 2008 बीजिंग (कांस्य) और 2012 लंदन (रजत) ओलंपिक में दो पदक जीते थे, जबकि सिंधू ने 2016 रियो (रजत) और 2020 टोक्यो ओलंपिक (कांस्य) में दो पदक जीते थे। मनु ने सभी को पीछे छोड़ते हुए इतिहास रच दिया है। इसी के साथ वह एक ओलंपिक में दो या इससे ज्यादा पदक जीतने वाले एथलीट्स की लिस्ट में भी शामिल हो गई हैं।ओलंपिक के किसी एक संस्करण में सबसे ज्यादा पदक जीतने का रिकॉर्ड अमेरिका के पूर्व तैराक माइकल फेलप्स के नाम है। उन्होंने 2008 बीजिंग ओलंपिक आठ स्वर्ण पदक जीते थे। वहीं, अमेरिका के स्पिट्ज ने 1972 ओलंपिक में सात स्वर्ण पदक जीते

थे। उसेन बोल्ट ने 2012 लंदन ओलंपिक और 2016 रियो ओलंपिक में तीन-तीनपदक जीते थे और ये छह स्वर्ण पदक थे। आप इन महान नामों से ही अंदाजा लगा सकते हैं कि मनु ने कितना बड़ा कीर्तिमान रचा है। इतना ही नहीं, शूटिंग में अब तक कुल 18 मौके ऐसे आए हैं, जब एथलीट ने एक ओलंपिक संस्करण में दो या इससे ज्यादा पदक जीते हैं। इनमें से सिर्फ दो मौके पर ऐसा हुआ है कि किसी महिला ने दो या इससे ज्यादा पदक जीते हैं। इसके अलावा 16 मौकों पर पुरुष शूटर्स ने ऐसा किया था। मनु के अलावा रूस की वितालिना बतशाराशकिना ने 2020 टोक्यो ओलंपिक में ऐसा किया था। उन्होंने तब शूटिंग में दो स्वर्ण और कांस्य पदक समेत तीन पदक जीते थे। वहीं, मनु के नाम एक दो कांस्य पदक हैं। शूटिंग में अल्फ्रेड लेन और ओले लिलो ऑलसेन दो ऐसे खिलाड़ी हैं।

आईसीएई में भारत के लिए पीएम मोदी ने कही ये बड़ी बात

कभी भारत की खाद्य सुरक्षा दुनिया के लिए चिंता का विषय थी,लेकिन आज भारत-पीएम मोदी......

नई दिल्ली/ एजेंसी

इस दौरान उन्होंने कहा, मुझे खुशी है कि 65 साल के बाद आईसीएई की ये कॉन्फ्रेंस भारत में फिर हो रही है. आप दुनिया के अलग अलग देशों से भारत आए हैं. भारत के 120 मिलियन किसानों की तरफ से आपका स्वागत है. भारत की 30 मिलियन से ज्यादा महिला किसानों की तरफ से आपका स्वागत है. देश के 30 मिलियन फिशरमैन की तरफ से आपका स्वागत है. देश के 80 मिलियन पशुपालकों की तरफसे आपका स्वागत है. आप आज उस देश में हैं, जहां 550 मिलियन पशु हैं. जीव प्रेमी भारत में आपका स्वागत है, अभिनंदन है.पीएम मोदी ने कहा कि भारत जितना प्राचीन है, उतनी ही प्राचीन कृषि और भोजन को लेकर हमारी मान्यताएं हैं, हमारे अनुभव हैं. भारतीय कृषि परंपरा में साइंस को, लॉजिक को प्राथमिकता दी गई है. हमारे अन्न को औषधीय प्रभावों के साथ इस्तेमाल करने का पूरा आयुर्वेद विज्ञान है. ये पारंपरिक नॉलेज सिस्टम भारत के समाज जीवन का हिस्सा है. पिछली बार जब ड्ढष्टश्व की कॉन्फ्रेंस यहां हुई थी, तब भारत को उस समय नई नई आजादी मिली थी. वह भारत की फूड सिक्योरिटी को लेकरज् भारत के एग्रीकल्चर को लेकर चुनौतियों से भरा

समय था. आज भारत फूड सरप्लस देश है. आज भारत दूध, दाल और मसालों का सबसे बड़ा उत्पादक है. पीएम मोदी ने कहा कि आईसीएई के पहले आयोजन को याद करते हुए कहा कि एक वो समय था जब भारत की फूड सिक्योरिटी दुनिया की चिंता का विषय था, और एक आज का समय है, जब भारत ग्लोबल फूड सिक्योरिटी, ग्लोबल न्यूट्रीशन सिक्योरिटी का सॉल्यूशन देने में जुटा है. आज दुनिया भर में भोजन और पोषण को लेकर इतनी चिंता है, लेकिन हजारों साल पहले हमारे शास्त्रों में कहा गया था कि सभी तत्वों में भोजन सर्वोच्च है, इसलिए भोजन को सभी औषधियों का आधार माना जाता है. हमारे आयुर्वेदिक विज्ञान में औषधीय गुणों वाले भोजन के उपयोग की पूरी समझ है. यह पारंपरिक ज्ञान प्रणाली भारत के सामाजिक जीवन का एक हिस्सा है. भारत जितना प्राचीन है, उतनी ही प्राचीन इसकी कृषि और खाद्यान्न से जुड़ी मान्यताएं और अनुभव भी हैं. भारतीय कृषि परंपरा में विज्ञान और तर्क को प्राथमिकता दी गई है. एग्रीकल्चर हमारी इकॉनमिक पॉलिसी का केंद्र है. हमारे यहां करीब 90त्न परिवार ऐसे हैं, जिनके पास बहुत कम जमीन हैं, ये छोटे किसान ही भारत की फूड सिक्योरिटी की सबसे बड़ी ताकत हैं. यही स्थिति एशिया के कई विकासशील देशों में है, इसलिए भारत का मॉडल कई देशों में काम आ सकता है. भारत, मिलेट्स का दुनिया का सबसे बड़ा उत्पादक है.

ईरान का बड़ा खुलासा

सात किलो के रॉकेट हमले में मारा हानिया

तेहरान। हमास और ईरान दोनों ने इस्राइल पर इस्माइल हानिया की हत्या करने का आरोप लगाया है। ईरान के रिवोल्यूशनरी गाड्र्स ने शनिवार को कहा कि फलस्तीनी आतंकवादी समूह हमास के नेता हनिया को तेहरान में करीब सात किलोग्राम विस्फोटक के साथ एक कम दूरी के रॉकेट हमले में मौत के घाट उतारा गया। हानिया की हत्या ऐसे समय में हुई है, जब गाजा में इस्राइली सेना के हमले जारी हैं। दूसरी ओर, लेबनान की सीमा पर तनाव बढ़ा हुआ है। हमास की राजनीतिक शाखा के प्रमुख की हत्या ने ईरान और इस्राइल के

बीच सीधे संघर्ष की आशंका पैदा कर दी है। रिवोल्यूशनरी गाड्र्स ने हानिया की मौत के लिए इस्राइल को दोषी ठहराते हुए कहा कि हमास नेता की हत्या का बदला उचित समय और स्थान पर लिया जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

19 अगस्त को कौहि में विशाल रुद्राभिषेक, तैयारी शुरू

पाटन (समय दर्शन)। श्री महाकाली एवं श्री हनुमान मंदिर परिसरकौहि काआवश्यक बैठक मंदिर प्रांगण में विशाल रुद्राभिषेक का आयोजन को लेकर बैठक आयोजित की गई। जिसमें निर्णय लिया की इस वर्ष की विशाल बोलबम काँवरिया सावन मेला रुद्राभिषेक व महाप्रसादी का कार्यक्रम दिनाँक 19 अगस्त को होना है । जिसके संबंध में चर्चा एवं जिम्मेदारी दी गई । आयोजन में श्री महाकाली एवं श्री हनुमान मंदिर परिसर कौही के समस्त पदाधिकारी व सदस्य बोलबम समिति कौही ,सेमरा, सुपेला, सिलघट , सिलतरा जरवाय बोरेन्दा एवं समीपस्थ ग्राम सर्वोदय गौरक्षा समिति के पदाधिकारी व सदस्य दुर्गा वाहिनी महिला समुह के पदाधिकारी व सदस्य बजरंग दल इकाई कौही के पदाधिकारी व सदस्य, पंचकोशी धाम समिति समस्त, ग्रामवासी कौही के तत्वावधान में आयोजित की गई है। उक्त बैठक में समिति के अध्यक्ष योगेश्वर साहू, सुनीता यादव, मुकेश कुमार, हेमलाल साहू, राजेश साहू नोशन सिंहा, ईश्वर यादव, माधो , कमलनयन, पुरषोत्तम सिन्हा सहित बोलबम समिति के सदस्यों भारी सख्या में उपस्थित थे।

जलभराव बनी समस्या: बारिश का पानी जमा होने से ग्रामीण परेशान

पाटन (समय दर्शन)। पाटन विधानसभा के ग्राम पंचायत झित के लोगों का जीवन बारिश में अस्त व्यस्त होते नजर आ रहा है सड़क और गांव के मुख्य चौक में पानी भर जाने के कारण से ग्रामीणों को अपने दैनिक कार्यों के निर्वहन के लिए पानी से होकर गुजरना पड़ रहा है यह फेटो भाटापारा वार्ड नंबर 1का है जो को गली पूरा पानी से भरा हुआ है वही बरसात का पानी भर जाने के कारण अनेक प्रकार की मौसमी बीमारियों को नेवता देने के कगार में है आपको बता दें की ग्राम पंचायत के द्वारा नाली निर्माण कार्य नहीं कराया गया है जिसके कारण पानी निकासी नहीं हो पा रहा है जिससे लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। जिम्मेदार जनप्रतिनिधि इस समस्या का समाधान करने की बजाय चुप्पी साधे बैठे हैं।

सेजेस विद्यालय घोटिया में हरेली तिहार धूमधाम से मनाया गया

बालोद (समय दर्शन)। सेजेस विद्यालय घोटिया में हरेली तिहार धूमधाम से मनाया गया। छात्रों के द्वारा गेड़ी व कृषि यंत्र नांगर, जुड़ा, बक्खर, दतारी, टंगिया रापा, कुदारी बनाकर लाया गया। वरिष्ठ व्याख्याता श्री डी एल ठाकुर एवं शाला परिवार द्वारा नारियल व गुरहा चिला चढ़ाकर पूजा पाठ किया गया व हरेली तिहार की जानकारी दी गयी। बच्चों को प्रसाद वितरण किया गया। शिक्षक व छात्रों ने गेड़ी का आनंद उठाया। इको क्लब प्रभारी शिक्षक नरोत्तम यदु, टीकेश्वर सिन्हा,एन आर साहू के मार्गदर्शन पौधाभरोपण किया गया। उक्त कार्यक्रम में शाला परिवार से श्रीमती एन ठाकुर,आर सी कौर,वाई सुधाकर,बी अंजुम,वाई देवांगन,जे के यादव,एच एल सहारे,एस के ठाकुर,के कृषाण, अमित कुमार शाला नायक , इको क्लब के डिलेश्वर प्रधानमंत्री, केदारनाथ शिक्षामंत्री, रिपुसूदन स्वास्थ्य मंत्री,कु योगिता वित्त मंत्री,प्रतीक सुरक्षामंत्री व अन्य सदस्य राजकुमार,मिनाक्षी,रेश्मा,द्विया शैलेन्द्र,गरिमा एवं भृत्य परमेश्वर पटेल,रवि आर्य सहित छात्र-छात्राएँ उपस्थित थे।

एएम/एनएस इंडिया द्वारा चित्रकोंडा उच्च प्राथमिक विद्यालय में एआई सक्षम डिजिटल पाठशाला क्लास रूम का उद्घाटन

इस पहल से ग्रामीण क्षेत्रों में डिजिटल क्रांति लाने में मदद मिलेगी

दंतेवाड़ा/समय दर्शन। एएम/एनएस इंडिया द्वारा चित्रकोंडा- उच्च प्राथमिक विद्यालय में एआई (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) ‍卐सक्षम डिजिटल पाठशाला卐 क्लासरूम का उद्घाटन समारोह आयोजित किया गया।

इस अवसर पर - श्री नटबर गराडा (तहसीलदार, चित्रकोंडा), सुश्री गायत्री देवी (ब्लॉक शिक्षा अधिकारी चित्रकोंडा),श्री प्रवीण पी.(प्लांट प्रभारी-एएम/एनएस इंडिया चित्रकोंडा), सुश्री राजेश्वरी खिल्लो (अध्यक्ष-जिला परिषद् चित्रकोंडा), सुश्री अंबिका(प्रिंसिपल-उच्च प्राथमिक विद्यालय चित्रकोंडा) द्वारा संयुक्त रूप से रिबन काटकर इस अत्याधुनिक क्लास रूम का उद्घाटन किया।

कार्यक्रम के दौरान एएम/एनएस इंडिया कम्पनी की सीएसआर टीम, विद्यालय के शिक्षक, अभिभावक और छात्र - छात्राएं भी बड़ी संख्या में उपस्थित रहें।

उद्घाटन समारोह में उपस्थित सभी गणमान्य व्यक्तियों ने एएम/एनएस इंडिया की इस नई पहल की सराहना की और इसके माध्यम से छात्रों को होने वाली सुविधाओं पर प्रकाश डाला। नटबर गराडा (तहसीलदार- चित्रकोंडा) ने अपने भाषण में कहा - यह पहल छात्रों को उन्नत डिजिटल उपकरणों तक पहुंच प्रदान करके एवं सीखने को बढ़ावा देने के साथ ही आवश्यक कौशल का विकास करेगा।

एएम/एनएस इंडिया कम्पनी की इस पहल का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा के स्तर को ऊंचा उठाना और छात्रों को भविष्य के लिए तैयार करना है। यह डिजिटल क्लास रूम ना केवल छात्रों को तकनीकी शिक्षा से जोड़ने में मदद करेगा, बल्कि उन्हें नई तकनीकों एवं आधुनिक शिक्षा पद्धति से भी अवगत करने में सहायक सिद्ध होगा।

छत्तीसगढ़ प्रदेश स्वास्थ्य कर्मचारी संघ जिला दंतेवाड़ा के जिला अध्यक्ष चंचल कुमार के नेतित्तव में नए सीएमओ डॉक्टर अजय रामटेके से सौजन्य भेंट की

दंतेवाड़ा (समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ प्रदेश स्वास्थ्य कर्मचारी संघ जिला दंतेवाड़ा के जिला अध्यक्ष चंचल कुमार के नेतित्तव में नए सी एम ओ डॉक्टर अजय रामटेके से सौजन्य भेंट कर बधाई एवं शुभकामनाएं दी गई । तथा कर्मचारियों की परेशानियों से अवगत कराया गया। सी एम ओ डॉक्टर अजय रामटेके द्वारा कर्मचारियों की परेशानियों को जल्द से जल्द समाधान करने का आश्वासन दिया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से बालसिंह नेताम,मोहन समरथ,एच आर केकम,आर के प्रसाद, लक्ष्मण ठाकुर, अमलसाय बघेल, हंशलाल ठाकुर, मनोहर नाग, सुरेश जसवाल, भुनेश्वर जुर्री,दीपक दुग्गा,मोहन बघेल, धनेश साहू, विजय साई, उदय प्रताप , मंजीत मरकाम, आर आर नेताम, सुदीप मरकाम, कमलेश नायक, मनोज कुमार सिंह, यू पी तिवारी, सरिता साहू, येमन ठाकुर, रेवा राम नेताम एवं अन्य कर्मचारी उपस्थित थे।

यातायात पुलिस ने सुरक्षित यातायात के प्रति स्कूली बच्चों को किया जागरूक

दंतेवाड़ा (समय दर्शन)। पुलिस अधीक्षक गौरव राय निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक स्मृत राजनाला अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आर.के. बर्मन के मार्गदर्शन में तथा उप पुलिस अधीक्षक यातायात श्री नसरउल्लाह सिद्दकी के नेतृत्व में यातायात पुलिस दन्तेवाड़ा के द्वारा सड़क सुरक्षा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से स्कूली बच्चों को यातायात के प्रति जागरूक करने के लिये शासकीय आत्मनंद हाईस्कूल बारसूर में सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर यातायात नियमों की जानकारी प्रदान की गई, इस दौरान स्कूली बच्चों में काफी उत्साह देखा गया। कार्यक्रम के दौरान यातायात पुलिस द्वारा शिक्षक एवं बच्चों को यातायात नियमों का पालन किसी डर भय से नही बल्कि स्वयं की सुरक्षा हेतु जिम्मेदारी से करने के प्रति जागरूक किया गया, जिससे कि सुरक्षित व सुव्यवस्थित समाज बनाने में सहायता मिलें। सड़क पर यातायात नियमों का पालन करने से निश्चित रूप से दुर्घटनाओं पर प्रभावी अंकुश लगेगा। कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं को सड़क में प्रवेश करने तथा चलने के नियम, यातायात संकेत, सड़क दुर्घटना के कारण एवं बचाव व सावधानियों के साथ-साथ मोटर व्हीकल एक्ट के बारे में विस्तार से जानकारी दिया गया और अपने आसपास के लोगों को भी जागरूक करने को कहा गया। इस दौरान स्कूल के प्राचार्य- नब्बीलाल नरेटी, शिक्षक- फूलदेव नेताम, मोहनराम कश्यप, गीतांजली नेताम,भूमिका देशमुख के साथ अन्य स्कूली स्टाफ व यातायात प्रभारी श्री स.उ.नि. श्री जितेन्द्र त्रिपाठी, प्र.आर.- थानसिंह देशमुख, आर.- ललित बारला, ,विरेन्द्र वर्मा यातायात पुलिस के अन्य स्टाफ लगभग स्कूली छात्र-छात्राएं 300 की संख्या में मौजूद रहे।

सेवानिवृत्त करारोपण अधिकारियों का बिदाई समारोह

जनपद पंचायत पाटन के अधिकारी कर्मचारी द्वारा दिया गया बिदाई

पाटन/समय दर्शन। जनपद पंचायत पाटन के अधिकारी कर्मचारीयों द्वारा सेवानिवृत्त सहायक आंतरिक लेखा परीक्षण एवं करारोपण अधिकारी श्री नरसिंह चन्द्राकर एवं श्री राजेन्द्र सिंह ठाकुर को सेवानिवृति के उपरांत बिदाई समारोह आयोजित करके ससम्मान बिदाई दिया गया ।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सेवानिवृत्त अधिकारी श्री नरसिंह चन्द्राकर व राजेन्द्र सिंह ठाकुर, अध्यक्षता श्री मुकेश कोठारी मुख्यकार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत पाटन विशिष्ट अतिथि श्रीमती हर्षा चन्द्राकर सदस्य जिला पंचायत दुर्ग, श्री नंदलाल साहू प्रदेश अध्यक्ष जिला जनपद लिपिक वर्ग कर्मचारी संघ, श्री लोकमनी चन्द्राकर भाजपा मंडलअध्यक्ष, श्री उत्तरा सोनवानी सदस्य जनपद पंचायत पाटन श्री दिनेश शर्मा सेवानिवृत्त लेखपाल थे कार्यक्रम का संचालन महेन्द्र कुमार साहू जिलाध्यक्ष सचिव संघ व आभार प्रदीप चन्द्राकर ने किया, उक्त अवसर पर श्रीमति डालिमलता नाग पी ओ मनरेगा, श्रीमती भूमिका गोपाल समाज कल्याण, सहायक विकास विस्तार अधिकारी वाई के दुबे,करारोपण अधिकारी सेवक राम वर्मा, कन्हैया लाल मन्नाडे, हलधर देवांगन, जनपद लिपिक वर्ग से विक्रम ठाकुर, जितेश वर्मा, नीलमणी वर्मा, बिहान शाखा से अंकित शर्मा, स्वच्छ भारत मिशन से नरेश साहू, नीलमणी चंदेल, आवास शाखा से रिंकू सोनी सचिव संघ से यशवन्त आडिल, गिरधर वर्मा,विनोद साहू, गुमान नायक, नरेश ठाकुर,बिहारी लाल साहू, भुनेश्वर गजपाल, सियाराम तारक, द्वारिका यादव,विष्णु सिन्हा, चंद्रशेखर यादव, देवकुमार वर्मा, ठाकुरराम साहू, दुलसाय साहू, विष्णु बंजारे, अरुण निर्मलकर, हुपेन्द्र साहू, गिरजाशंकर, गैंदलाल, नंदलाल साहू, राजकुमार सेन, धर्मेंद्र वर्मा, कामता पटेल, दीनदयाल, कोमल अंगारे, सुनीता दीवान सुलोचना चन्द्राकर,भारती साहू, रामेश्वरी साहू, स्वर्णलता, आशा, दुलेश्वरी, कीर्तिनिर्मल, लतेश्वरी,लोकेश्वरी, सरोज, जयंती सहित जनपद पंचायत पाटन के अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे

छत्तीसगढ़ का पारंपरिक त्यौहार है हरेली : एमएल वर्मा प्रधानपाठक

पाटन (समय दर्शन)। शासकीय पूर्व माध्यमिक विद्यालय तेलीगुंडरा में शनिवार बैगलेस डे पर छत्तीसगढ़ का पारंपरिक त्यौहार हरेली हर्षोल्लास के साथ मनाया गया ।माध्यमिक विभाग के प्रधानपाठक एम.एल.वर्मा ने बच्चों को बताया कि हरेली तिहार के दिन कृषि औजारों की पूजा की जाती है ।प्रत्येक घरों मे चीला व अन्य व्यंजन बनाये जाते है ।तत्पश्चात प्राथमिक विभाग के पूर्व प्रधानपाठक दानेश्वर वर्मा ने हरेली तिहार में घर-घर दरवाजे में रोगों को भगाने के लिए नीम के पौधों को लगाने व उसके वैज्ञानिक कारणों के विषय मे जानकारी दी ।कार्यक्रम का संचालन कर रहे शिक्षक के.के.साहू ने बताया कि इस वर्ष छत्तीसगढ़ स्कूल शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार एक पेड़ माँ के नाम अभियान चलाया जा रहा है,इसी तारतम्य में ग्राम तेलीगुंडरा को भी स्वप्रेरणा से वृक्षारोपण कर प्रकृति सरंक्षण व संवर्धन हेतु गोद लिया गया है ।ग्राम तेलीगुंडरा में सड़क किनारे,तालाब के किनारे,अन्य रिक्त स्थानों पर ग्राम के युवाओं,महिला स्वसहायता समूह, शिक्षक,पालक व विद्यार्थियों को प्रेरित कर सभी के सहयोग से जनभागीदारी से हरियाली,गांव में खुशहाली के संकल्प को पूर्ण किया जाएगा। कार्यक्रम में बाल संसद के प्रधानमंत्री लेखनी साहू, उपप्रधानमंत्री भाविका देवांगन,पर्यावरण मंत्री चेताली पटेल,खेल मंत्री सोमेश देवांगन,संस्कृति मंत्री हुलसी ठाकुर,अनुशासन मंत्री मोनिका पटेल,शिक्षा मंत्री जया पटेल,स्वास्थ्य मंत्री थानेश्वरी व अन्य सभी प्रतिनिधि,अन्य विद्यार्थीगण एवं वरिष्ठ शिक्षिका उर्वशी देशमुख,के.के.साहू,कृष्ण कुमार साहू उपस्थित रहे।

सांसद संतोष पाण्डेय के प्रयास से डोंगरगढ़ का पर्यटन क्षेत्र के रूप में होगा भरपूर विकास- विजेन्द्र सिंह ठाकुर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, विधानसभा अध्यक्ष डॉ रमन सिंह, गृह एवं प्रभारी मंत्री विजय शर्मा एवं उप मुख्यमंत्री अरुण साव, सांसद संतोष पाण्डेय, डोंगरगढ़ के पूर्व विधायक एवं शैडो विधायक विनोद खांडेकर वा प्रदेश जिला एवं मंडल संगठन का बहुत-बहुत धन्यवाद

डोंगरगढ़ (समय दर्शन)। डोंगरगढ़ विधानसभा क्षेत्र के मीडिया प्रभारी विजेंद्र सिंह ठाकुर ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर जानकारी देते हुए बताया कि वह वही लेने की होड़ पड़ी है जबकि सांसद संतोष पाण्डेय के सोच के अनुरूप होंगे परिक्रमपथ के निर्माण सभी धार्मिक स्थलों को जोड़ते हुए डोंगरगढ़ सर्व धर्म सद्भाव की नगरी है यहां डोंगरगढ़ के विकास के लिए सभी धर्म के लोग आगे आकर अपनी राय समय-समय पर सांसद संतोष पाण्डेय के समक्ष रखते रहे हैं धर्मानगरी के धार्मिक ट्रस्ट मां श्री बमलेश्वरी मंदिर ट्रस्ट समिति के अध्यक्ष मनोज अग्रवाल, महेंद्र परिहार के साथ ट्रस्ट समिति के सदस्य गण, चंद्रगिरी ट्रस्ट के अध्यक्ष किशोरजैन, ट्रस्टी अमित जैन एवं सदस्य गण, प्रज्ञा गिरी ट्रस्ट समिति के प्रमुख विनोद खांडेकर ,शैलेंद्र डोंगरे सहित सदस्य गण, जटाशंकर मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष सोनू कुमार सिन्हा, जितेंद्र सिंह ठाकुर, भागवत नामदेव , सहित सदस्य गण, रावटी पहाड़ी सतनामी धाम अध्यक्ष परस राम , जितेंद्र गेंदडे सहित सदस्य अपने-अपने ट्रस्ट के लेटर पैड के माध्यम से माननीय मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, राजनांदगांव के सांसद संतोष पाण्डेय को अनेक विकास कार्यों की लिखित रूप से जानकारी देते हुए अवगत कराते रहे हैं सांसद संतोष पाण्डेय के द्वारा उक्त सभी मांगों को राज्य एवं केंद्र स्तर तक पहुंचने का लगातार प्रयास किया जा रहा है रोड का काम पूर्व से गजमर्रा से चंद्रगिरी चंद्रगिरी से बम्लेश्वरी मंदिर रोड तक काम प्रगति पर है इसी प्रकार डोंगरगढ़ के विकास के लिए पूर्व में प्रसाद योजना के तहत विभिन्न कार्य स्वीकृत हुए थे वह सभी कार्य प्रारंभ है अभी सांसद संतोष पाण्डेय ने छत्तीसगढ़ शासन को पत्र व्यवहार के माध्यम से डोंगरगढ़ के सभी धार्मिक क्षेत्र को जोड़ने के लिए फोरलेन परिक्रमपथ निर्माण की महत्वपूर्ण मांगों को बजट में जोड़ने का अग्रह किया था जिसे बजट में शामिल किया गया है छत्तीसगढ़ शासन विभिन्न ट्रस्टों के मांग के अनुरूप डोंगरगढ़ को बाईपास एवं परिक्रमपथ की सौगात के साथ-साथ अन्य सौगात भी प्रदान किए गए हैं साथ ही विभिन्न ट्रस्टों के द्वारा अलग-अलग जो मांग की गई थी वह भी शासन एवं प्रशासन के माध्यम से उसकी रूपरेखा तैयार की जा रही है बहुत जल्द सभी विकास कार्य बिना रुकावट के प्रारंभ होंगे राजनांदगांव जिले के लोकप्रिय जागरूक सांसद संतोष पाण्डेय के द्वारा समय-समय पर सभी ट्रस्ट के प्रमुख के साथ विशेष रूप से चर्चा करते हुए डोंगरगढ़ के विकास में और क्या-क्या हो सकता है उस की रूपरेखा तैयार की जाती रही है विजेंद्र सिंह ठाकुर ने बताया डोंगरगढ़ के सभी विषय को लेकर हमारे जिले के प्रमुख नेता गण भारतीय जनता पार्टी के संगठन के प्रमुख प्रदेश उपाध्यक्ष मधुसूदन यादव, प्रदेश महामंत्री राम जी भारती, जिला अध्यक्ष रमेश पटेल भी मुख्यमंत्री विष्णु देव साय , प्रभारी मंत्री विजय शर्मा ,सांसद संतोष पाण्डेय एवं जिला भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष रमेश पटेल का हर संभव प्रयास होता है की डोंगरगढ़ के विकास में अपना भरपूर सहयोग प्रदान करें सांसद कार्यालय राजनांदगांव में सांसद संतोष पाण्डेय से मिलकर डोंगरगढ़ के महत्वपूर्ण विषय को शासन प्रशासन की ओर भिजवाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले डोंगरगढ़ के पूर्व विधायक विनोद खांडेकर, हरविंदर सिंह मंगे, लक्ष्मी नारायण अग्रवाल ,सुरेन्दर सिंह , सुनील जैन, अमित जैन परविंदर सिंह मोंटी , राकेश अग्रवाल संतोष राव ,अमित छाबड़ा, प्रिंस कक्कड़, सुमित मिश्रा, विक्की भाटिया, ज्योति बड़वाईक के साथ-साथ डोंगरगढ़ के जेस्ट ,श्रेष्ठ कार्यकर्ता का विकास के प्रति जागरूकता के चलते आने वाले समय में डोंगरगढ़ में विकास की गंगा बहेगी डोंगरगढ़ के सभी महत्वपूर्ण विषय में सांसद संतोष पाण्डेय के निजी सहायक प्रखर का भी भरपूर सहयोग मिलता रहा है।

सार समाचार

भाजपा निकालेगी तिरंगा यात्रा, चलेगा हर घर तिरंगा अभियान

रायपुर(समय दर्शन)। भाजपा प्रदेश प्रभारी नितिन नबीन शनिवार की सुबह रायपुर पहुंच गए हैं। वे यहां दो दिनों तक संगठन की विभिन्न बैठकों में शामिल होंगे। बीजेपी प्रदेश कार्यालय में पदाधिकारियों की बैठक खत्म हो गई है। बैठक मे बीजेपी अध्यक्ष किरण सिंहदेव सहित कई बीजेपी के नेता मौजूद रहे। बैठक में नगरीय निकाय और पंचायत चुनावों पर चर्चा हुई। इस बैठक के बाद बीजेपी कोर कमेटी की बैठक होगी। बीजेपी की इस बैठक में कई अहम फैसलें हुए जिसमें 11, 12 और 13 अगस्त को भाजपा प्रदेशभर में तिरंगा यात्रा निकालेगी। वहीं 14 अगस्त को विभाजन की विभीषिका पर कार्यक्रम आयोजित किया जायेगा। साथ ही 12, 13 और14 अगस्त को हर घर तिरंगा अभियान होगा। 5 अगस्त को प्रदेश, जिला और मंडलों में बैठकें आयोजित की जाएंगी। इन बैठकों में आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा तय की जाएगी। जिसमें हर बूथ पर 21 अगस्त से 25 अगस्त तक 51 पेड़ लगाए जाएंगे।

बच्चों की तरह करें पौधों की देखभाल: टंकराम वर्मा

रायपुर(समय दर्शन)। जीने के लिए सांस और सांस लेने के लिए ऑक्सीजन की जरूरत धरती के सभी जीवों के लिए हमेशा बना रहेगा। वृक्षों से जीवनदायिनी ऑक्सीजन मिलती है, इसका मतलब पेड़ पौधों के बिना मानव और जीव जंतुओं का जीवन संभव नहीं है। हर साल बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण किया जाता है लेकिन उसमें से कितने पौधे जीवित बचते हैं। इसका आंकलन करना जरुरी है। जिस प्रकार माँ-बाप अपने बच्चों की देखभाल तब-तक करते हैं, जब तक वे अपने पैरों पर खड़े नहीं हो जाते। उसी प्रकार पौधे लगाने के बाद 5-6 साल तक भली-भांति देख-रेख करना जरूरी है। शुक्रवार को मंत्री टंक राम वर्मा ने बलौदाबाजार-भाटापारा जिले के जवाहर नवोदय विद्यालय लवन में सावन के रिमझिम फुहारों के बीच वन विभाग द्वारा आयोजित जिला स्तरीय वन महोत्सव कार्यक्रम में उपर्युक्त बातें कही। वन महोत्सव कार्यक्रम में एक पेड़ माँ के नाम अभियान अंतर्गत मंत्री टंक राम वर्मा सहित जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने स्कूल परिसर में पौधरोपण किया।स्कूल परिसर में करीब 500 पौधे लगाए गए। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने ठाना है कि वृहद वृक्षारोपण के माध्यम से छत्तीसगढ़ कों हरियर प्रदेश बनाना है। उनकी प्रतिबद्धता को पूरा करने आप सभी अपने खेत, खलिहान और जहां भी खाली जमीन मिलता है वहां पेड़ जरूर लगाएं। मंत्री वर्मा ने कहा कि राजस्व रिकार्ड में त्रुटियों को सुधारने के लिए अब तहसीलदारों को अधिकृत किया गया है,जिससे अब आसानी से त्रुटि सुधार हो सकेगा।

सीएसआईडीसी के संचालक मण्डल की बैठक सम्पन्न

प्रदेश में नवीन औद्योगिक क्षेत्र स्थापित करने पर जोर : उद्योग मंत्री लखनलाल देवांगन

रायपुर(समय दर्शन)। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री श्री लखनलाल देवांगन ने सीएसआईडीसी की बैठक में कहा है कि प्रदेश की नई औद्योगिक नीति 01 नवम्बर 2024 से लागू होगी। नई औद्योगिक नीति के आधार पर यहां निवेश करने का एक बड़ा आकर्षण होगा, जो न केवल राज्य के विकास को तेजी से आगे बढ़ाने में मदद करेगा, बल्कि स्थानीय अर्थव्यवस्था को और मजबूती प्रदान करेगा। इससे प्रदेश में बेहतर औद्योगिक वातावरण का निर्माण होगा और प्रदेश के निवासियों को रोजगार मिलेगा। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक खनिज संसाधनों से भरपूर छत्तीसगढ़ में उद्योग धंधे स्थापित करने की भरपूर संभावनाएं हैं। छत्तीसगढ़ राज्य औद्योगिक विकास निगम (सीएसआईडीसी) के संचालक मण्डल की 152वीं बैठक वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री सह अध्यक्ष सीएसआईडीसी श्री लखन लाल देवांगन की अध्यक्षता में उद्योग भवन में संपन्न हुई। बैठक में सचिव, वाणिज्य एवं उद्योग श्री अंकित आनंद, संचालक नगर तथा ग्राम निवेश श्री सौरभ कुमार, सीएसआईडीसी के प्रबंध संचालक श्री पी. अरूण प्रसाद, वित्त विभाग के उप सचिव श्रीमती पूजा शुक्ला मिश्रा उपस्थित थे। बैठक में निम्नानुसार महत्वपूर्ण निर्णय लिये गये। नवा रायपुर, अटल नगर सेक्टर-22 में मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़ शासन द्वारा की गई घोषणा के अनुरूप 141.84 एकड़ में फार्मास्युटिकल पार्क की स्थापना किये जाने की सैद्धांतिक स्वीकृति प्रदान की गई। पार्क की स्थापना से नवीन निवेश के साथ - साथ स्थानीय रोजगार को बढावा मिलेगा। जिला जांजगीर-चांपा के ग्राम गतवा, बिर्रा एवं सिलादेही में निगम के आधिपत्य की 881.60 एकड भूमि पर आदर्श औद्योगिक क्षेत्र की स्थापना हेतु सैद्धांतिक स्वीकृति प्रदान की गई। जिला जांजगीर-चांपा के ग्राम भागोडीह, ग्राम मुक्ताराजा, ग्राम सरहर एवं ग्राम रिस्दा में निगम के आधिपत्य की भूमि में 245.29 एकड़ में आदर्श औद्योगिक क्षेत्र एवं 111.02 एकड में टैक्सटाईल पार्क की स्थापना हेतु सैद्धांतिक स्वीकृति प्रदान की गई। जिला-राजनांदगांव के ग्राम बिजेतला की 421.9 एकड़ भूमि में नवीन आदर्श औद्योगिक क्षेत्र की स्थापना हेतु सैद्धांतिक स्वीकृति प्रदान की गई। भारत सरकार की एमएसई-सीडीपी योजनांतर्गत छत्तीसगढ राज्य में सीएसआईडीसी के अधीनस्थ स्थापित 13 औद्योगिक क्षेत्रों के उन्नयन कार्यों हेतु परियोजना प्रस्तावों का अनुमोदन किया गया। राज्य के समस्त एच.ओ.डी एवं अन्य कार्यालयो का संचालन अटल नगर, नवा रायपुर में किया जाना प्रारंभ हो गया है। इस अनुक्रम में सीएसआईडीसी के नवा रायपुर स्थित भूमि पर उद्योग भवन का निर्माण किये जाने की सैद्धांतिक स्वीकृति प्रदान की गई।

पं. रविशंकर शुक्ल जयंती पर रविवि ने मनाया वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम एक पेड़ मां के नाम

रायपुर(समय दर्शन)। पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय रायपुर के द्वारा पं. रविशंकर शुक्ल जी की 147 वीं जयंती के अवसर पर भारत सरकार की महत्वकांक्षी योजना 'एक पेड़ मां के नाम' को साकार करते हुए वृहद वृक्षारोपण का कार्यक्रम सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम समन्वयक प्रो. एल.एस. गजपाल ने बताया कि सामान्य रूप से रविशंकर शुक्ल जयंती के अवसर पर अवकाश रहता है किन्तु 'एक पेड़ मां के नाम' वृक्षारोपण कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए विश्वविद्यालय के सभी अधिकारियों, कर्मचारियों और शिक्षकों ने पूरे उत्साह के साथ हिस्सा लिया। सभी की बेहतर उपस्थिति में वृहद वृक्षारोपण का कार्यक्रम आयोजित किया गया। 'एक पेड़ मां के नाम' वृक्षारोपण कार्यक्रम के आयोजन का मुख्य उद्देश्य ना केवल पर्यावरण संरक्षण करना अपितु ग्लोबल वार्मिंग से बचाना, अक्सीजोन का विकास करना और लोगो में पर्यावरण संरक्षण के प्रति एक भावनात्मक लगाव को पैदा करना है। इस कार्यक्रम के तहत लगभग 150 से अधिक फ्लदार पौधों का रोपण किया गया जिसमे मुख्य रूप से आम, अनार, जामुन, अमरूद, जैसे पौधे शामिल थे। इस अवसर पर माननीय कुलपति प्रो. सच्चिदानंद शुक्ला ने कहा कि पं. रविशंकर शुक्ल जी ना केवल महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी थे अपितु महान शिक्षाविद भी थे । उन्हीं की प्रेरणा से आज अकादमिक जगत में पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय ने अपनी विशेष पहचान बनाई हुई है। इस पहचान को बनाए रखने में समस्त शिक्षकों, अधिकारियों और कर्मचारियों की निरंतर भूमिका रही है जो काफी महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय राष्ट्रीय सेवा योजना के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ भारत सरकार की विभिन्न योजनाओं में अपना सतत योगदान देता रहा है और उस योगदान का परिणाम हैं कि वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम 'एक पेड़ मां के नाम' के अवसर पर हम सभी उपस्थित हुए हैं। उन्होंने कहा कि पेड़ लगाने के साथ-साथ उन्हें शत प्रतिशत जीवित रखने का दायित्व भी विश्वविद्यालयों के कर्मचारियों, अधिकारियों एवं छात्रों का है। उन्होंने इस कार्य में राष्ट्रीय सेवा योजना की महत्वपूर्ण भूमिका को भी रेखांकित किया। इस अवसर पर रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ शैलेंद्र पटेल, राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी डॉ कमलेश शुक्ला सहित विभिन्न स्वयंसेवक अधिकारीगण और कर्मचारीगण उपस्थित थे।

खेल संचालक ने की बस्तर ओलंपिक के तैयारियों की समीक्षा

रायपुर(समय दर्शन)। केन्द्रीय श्रम एवं रोजगार और युवा कार्य एवं खेल मंत्री मनसुख मांडविया के विगत 27 जुलाई को रायपुर प्रवास के दौरान् प्रदेश में वृहद स्तर पर खेल प्रतियोगिता के आयोजन की रूपरेखा बनी थी। इसी अनुक्रम में खेल संचालक श्रीमती तनुजा सलाम ने शुक्रवार को जगदलपुर के न्यू सर्किट हाउस में बस्तर संभाग के सभी जिला खेल अधिकारियों की बैठक लेकर खेल प्रतियोगिता के वृहद स्तर पर आयोजन करने हेतु तैयारियों का जायजा लिया। बस्तर प्रवास के दौरान् खेल संचालक श्रीमती सलाम ने जगदलपुर में संचालित हॉकी खेलो इंडिया सेंटर और जगदलपुर में प्रस्तावित सिंथेटिक हॉकी टर्फ हेतु स्थल का निरीक्षण किया। प्रियदर्शनी स्टेडियम जगदलपुर में खेल सुविधाओं और प्रशिक्षण केंद्रों में खिलाड़ियों से मुलाकात की। व्यायाम शिक्षकों से मुलाकात कर जिले में संचालित खेल गतिविधियों और प्रशिक्षण का जायजा लिया। सहायक संचालक राजेन्द्र डेकाटे ने जगदलपुर में स्थित खेल अधोसंरचनाओं तथा प्रस्तावित अधोसंरचना के लिए चिन्हित भूमि के बारे में खेल संचालक को जानकारी दी। पंडरीपानी, प्रियदर्शनी स्टेडियम बैडमिंटन हॉल, निर्माणाधीन बैडमिंटन हॉल इत्यादि खेल अधोसंरचना का निरीक्षण किया गया। बस्तर के युवाओं को मुख्य धारा में जोड़ने के लिए युवा गतिविधियों के आयोजन की रूपरेखा तैयार करने के निर्देश खेल संचालक के द्वारा संभाग के सभी जिला खेल अधिकारियों को दिए गए।

भूत-प्रेत, टोनही का खौफ हटाने हरेली में रात्रि भ्रमण करेगी अंधश्रद्धा निर्मूलन समिति

रायपुर(समय दर्शन)। हरेली अमावस्या की रात को अंधश्रद्धा निर्मूलन समिति, अंधविश्वास और पाखंड के खिलाफ अभियान चलाने जा रही है। समिति के अध्यक्ष, डॉ. दिनेश मिश्र ने घोषणा की कि इस विशेष जनजागरण अभियान के दौरान जादू टोने और टोनही प्रताड़ना के विरोध में ग्रामीणों को जागरूक किया जाएगा। इस अभियान में रात्रिभ्रमण, पम्पलेट और पोस्टर वितरण, तथा शपथ दिलाने जैसी गतिविधियाँ शामिल होंगी। डॉ. मिश्र ने बताया कि हरियाली अमावस्या को लेकर अनेक भ्रांतियाँ हैं, जिनमें से कुछ लोग इसे जादू-टोने से जोड़कर देखते हैं। उन्होंने कहा कि यह सब परिकल्पनाएँ हैं और इनका कोई वास्तविक अस्तित्व नहीं है। जादू-टोने का कोई वैज्ञानिक आधार नहीं है और कोई महिला टोनही नहीं होती। डॉ. मिश्र ने जोर दिया कि बीमारियों और प्राकृतिक आपदाओं का वास्तविक कारण जीवाणु, कीटाणु, गंदगी, प्रदूषित पानी, और अन्य स्वास्थ्य समस्याएं हैं। सावन माह में बरसात के कारण बैक्टीरिया और कीटाणुओं का प्रसार बढ़ जाता है, जिससे आंत्रशोध, पीलिया, वायरल फीवर, मलेरिया जैसी बीमारियाँ फैलती हैं। इन बीमारियों से बचाव के लिए साफ-सफाई, सुरक्षित पानी का उपयोग, और स्वच्छ भोजन का ध्यान रखना आवश्यक है। डॉ. मिश्र ने यह भी कहा कि कोरोना और अन्य संक्रमणों से बचाव के लिए साफ-सफाई, मास्क पहनना, सोशल डिस्टेंसिंग, और हाथ धोना महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने कहा कि नीम की टहनी का उपयोग अंधविश्वास के कारण बच्चों और लोगों द्वारा जादू-टोने से बचने के लिए किया जाता है, लेकिन इससे पेड़ों को नुकसान पहुंचता है।

सनकी युवक ने तुम मेरी नहीं हुई तो किसी की नहीं होने दूंगा कहकर युवती को चाकू मारा

रायपुर(समय दर्शन)। राजधानी रायपुर में एक सनकी युवक ने प्रेमिका द्वारा बातचीत किये जाने से नाराज होकर उस पर चाकू से हमला कर उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया। मामला कबीर नगर थानाक्षेत्र का है। मिली जानकारी के अनुसार ग्राम सलोनी निवासी चरणदास गायकवाड़ का प्रेम संबंध कबीर नगर क्षेत्र के ग्राम अटारी की रहने वाली एक युवती से था। पिछले तीन महीने से युवती ने आरोपी प्रेमी के साथ बातचीत करना बंद कर दिया था। इस बात को लेकर युवक नाराज था तथा युवती को सबक सिखाने चाहता था। उसने युवती की हत्या करने की प्लानिंग की और प्लांनिग के तहत ही उसने युवती को 1 अगस्त शाम चार बजे अटारी आश्रम के पास मिलने के लिए बुलाया। युवती के आते ही प्रेमी ने अपने पास रखे चाकू से ताबड़तोड़ हमला कर दिया। इस दौरान युवक ने युवती से कहा कि तुम मेरी नहीं हुई तो किसी की नहीं होने दूंगा। घटना के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया। आसपास के लोगों ने तत्काल इसकी सूचना पुलिस को दी तथा युवती को गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया है जहां युवती की हालत नाजूक बनी हुई है। युवती के छाती, उंगली, कमर, पीठ में गंभीर चोट लगी है। मामले में कबीर नगर थाना पुलिस ने आरोपी चरणदास गायकवाड़ को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी के खिलाफधारा 109 बीएनएस 25, 27 आर्म्स एक्ट का मामला दर्ज किया गया है।

भक्तगण पवित्र सावन माह की शिवरात्रि के अवसर पर नई दिल्ली के प्रीत विहार में शिवलिंग पर अभिषेक करते हुए ।

जीएसटी काउंसिल के ग्रुप ऑफ मिनिस्टर्स टीम में ओपी चौधरी बनाए गए सदस्य

रायपुर(समय दर्शन)। वित्त मंत्री ओपी चौधरी जीएसटी में सुधार के लिए हाल ही में जीएसटी काउंसिल के लिए ग्रुप ऑफ मिनिस्टर्स का पुनर्गठन किया गया है। इस नए गठन में छत्तीसगढ़ के वित्त मंत्री ओपी चौधरी को सदस्य के रूप में नामित किया गया है। इस ग्रुप में दो राज्यों के उप मुख्यमंत्री समेत कुल आठ सदस्य शामिल हैं। नई दिल्ली जीएसटी काउंसिल की ओर से जारी पत्र के अनुसार, जीएसटी में सुधार के लिए यह पुनर्गठन किया गया है। ग्रुप का संयोजक महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री और वित्त मंत्री अजित पवार को बनाया गया है। उड़ीसा के उपमुख्यमंत्री कनक वर्धन सिंह देव और छत्तीसगढ़ के वित्त मंत्री ओपी चौधरी के साथ पांच अन्य राज्यों के वित्त मंत्रियों को सदस्य के रूप में नामित किया गया है। चौधरी को सदस्य बनाए जाने से छत्तीसगढ़ के वित्तीय दृष्टिकोण और अनुभव को राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता मिली है। वे लगातार राज्य के वित्तीय प्रबंधन और जीएसटी के बेहतर क्रियान्वयन के लिए सुधार कर रहे हैं, जो इस समिति की कार्यप्रणाली को और सशक्त बनाने में मददगार साबित होगी। इस समिति का मुख्य उद्देश्य जीएसटी कानून, प्रक्रियाओं और नीतियों को प्रभावी बनाने के लिए सिफारिशें प्रदान करना है।

बिहान समूह की दीदियां हल्दी की खेती की ओर बढ़ रही आगे

रायपुर(समय दर्शन)। हल्दी का उपयोग धार्मिक कार्यों के अलावा मसाला, रंग सामग्री, औषधि तथा उबटन के रूप में किया जाता रहा है। औषधि एवं घरेलू उपयोग के साथ ही हल्दी में कैंसर रोधी गुण भी पाये जाते हैं। इस क्रम में दंतेवाड़ा जिले के विकासखण्ड कुआकोंडा के 5 ग्रामों को हल्दी की पैदावार के लिए चयन किया गया है। बिहान समूह की महिलाएं हल्दी की खेती कर आगे बढ़ती जा रही हैं। हल्दी शुभ कार्य के साथ खाने के लिए भी बेहतर उपयोग किया जाता है। हल्दी (टर्मरिक) एक भारतीय वनस्पति है यह अदरक की प्रजाति का 5 से 6 फिट बढने वाला पौधा है जिसमें जड़ की गाठो में हल्दी मिलती है। हल्दी को आयुर्वेद में एक महत्वपूर्ण औषधि मानी गयी है। इसके अलावा भारतीय रसोई में इसका महत्वपूर्ण स्थान है। धार्मिक एवं सांस्कृतिक दृष्टिकोण से भी भारतीय समाज में इसको बहुत शुभ समझा जाता है विवाह में तो हल्दी को रस्म का एक विशेष महत्व है। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन ''बिहान'' के तहत स्थानीय स्व सहायता समूह की दीदियों को हल्दी उत्पादन के लिए खेती की ओर आगे बढ़ रही है। समूह की महिलाएं ग्राम रेंगानार, गढ़मिरी, कुआकोण्डा, हल्बारास, मैलावाड़ा, गोगपाल के इच्छुक 50 महिलाओं को उद्यानिकी विभाग से 20 क्विंटल हल्दी बीज प्रदाय की गई है और समूह की दीदियों ने 40-40 किलो अपनी बाड़ी में हल्दी गाठों का रोपण किया है। इस प्रकार हल्दी उत्पादन इस वर्ष होने पर अगले वर्ष इस हल्दी को मां दन्तेश्वरी महिला फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड कुआकोण्डा के द्वारा खरीदी भी की जायेगी। खरीदी कर इस हल्दी का समूह के द्वारा प्रसंस्करण कर दुकान तथा थोक किराना दुकानों में सप्लाई करने की योजना है। जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में हल्दी की खेती के लिए अच्छा वातावरण है। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन ''बिहान'' द्वारा हल्दी की खेती को महिलाओं की आर्थिक समृद्धि एवं आजीविका से जोड़ते हुए पहल की जा रही हैं।

स्वास्थ्य मंत्री जायसवाल ने सुनी समस्याएं, तत्काल समाधान के दिए निर्देश

रायपुर(समय दर्शन)। भाजपा के कुशाभाऊ ठाकरे परिसर स्थित प्रदेश कार्यालय में आयोजित सहयोग केंद्र में प्रदेश सरकार के उप मुख्यमंत्री, मंत्री और भाजपा पदाधिकारी बैठकर लोगों के समस्याओं और आवेदनों का त्वरित निराकरण कर रहे हैं। काफी संख्या में लोग भाजपा के सहयोग केंद्र में लगातार शामिल हो रहे है और प्रदेश सरकार के मंत्री उनकी समस्याओं एवं आवेदन का त्वरित निराकरण कर रहे हैं। शुक्रवार को सहयोग केंद्र में सैकड़ों की संख्या में आवेदन आए। इस दौरान स्वास्थ्य मंत्री श्यामबिहारी जायसवाल ने कहा कि भाजपा प्रदेश कार्यालय मे शुक्रवार को हमने लोगो की समस्याओं को सुना, विभिन्न विभागों के चाहे वे निर्माण संबंधी कार्य हो या क्षेत्र के विकास के लिए काम हो, चाहे नए अस्पताल की मांग हो पूरे प्रदेशभर से विभिन्न आवेदन प्राप्त हुए। आज सहयोग केन्द्र में पूरे प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों से से लोग आए हुए थे। सभी प्रकार के विषय आये, जिनमें स्वास्थ्य संबंधी आवेदन ज्यादा थे। इसके साथ ही शिक्षा, राजस्व, पेयजल, व अन्य विषय भी आए। आवेदनों के निराकरण करने के लिए संबंधित विभागों को जल्द से जल्द निदान करने के लिए निर्देश दिए गए। सहयोग केंद्र में प्रदेश महामंत्री द्वय संजय श्रीवास्तव व रामजी भारती भाजपा सह मीडिया प्रभारी अनुराग अग्रवाल तथा प्रदेश प्रवक्ता अमित साहू मौजूद रहे।

संपादकीय

प्राकृतिक आपदाओं की बारंबारता में इजाफा

केरल के वायनाड में तेज बारिश के बाद हुए भूस्खलन के कारण मरने वालों की संख्या 165 तक पहुंच चुकी है। 220 लापता हैं तथा 131 घायल हुए हैं। मुंडक्कई, अय्यामाला, चूरलमाला और नूलपुझा गांव में देर रात को हुई इस दुर्घटना के बाद बचाव कार्य जारी है। हजारों लोगों को बमुश्किल निकाला जा सका तथा उन्हें सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने का काम जारी है। इस बीच, मौसम विभाग भारी बरसात की चेतावनी अब भी दे रहा है। मल्लपुरम, कोझिकोड, वायनाड, कन्नूर और कासरगोड जिलों में चेतावनी के साथ ही एर्नाकुलम, इडुक्की, त्रिशूर में भी भारी बरसात होने की संभावनाएं व्यक्त की गई हैं। वायनाड का मुख्य पुल बह जाने से सैकड़ों फंसे लोगों का बचाव मुश्किल हो गया है। ढेरों घर बह गए हैं। करीब के चाय बागान के 35 कर्मचारियों का भी पता नहीं चल पाया है। हालांकि अब तक यह पता नहीं चल सका है कि चाय बागानों में कितने मजदूर काम कर रहे थे। पांच साल पहले भी इन्हीं गांवों में भूस्खलन हुआ था, जिसमें 50 से ज्यादा घर बह गए थे। लापता लोगों में से पांच का अब तक कोई पता नहीं चल सका है। इसलिए परिवार बेहाल हैं। वे अपनों को ढूंढने और अपने तबाह हो गए घर को देखने की गुहार लगा रहे हैं। मोबाइल टावरों के क्षतिग्रस्त होने से फोन सेवाएं भी बाधित हैं। आपदा प्रबंधन दल के लिए उन इलाकों तक पहुंचने में खासी दिक्कतें आ रही हैं। वे केबल के सहारे हैं तथा हैलीकॉप्टर से घायलों को लाने-ले जाने का काम कर रहे हैं। वायनाड पठारी इलाका है जिसकी 51त्न भूमि पहाड़ी ढलान वाली है। सरकारी दस्तावेज के अनुसार केरल का 43त्न इलाका भूस्खलन प्रभावित इलाका है। मानसून के दौरान यहां हमेशा जबरदस्त बरसात होती है। नदियों में बरसाती पानी के कारण बाढ़ जैसी स्थिति बन जाती है। प्राकृतिक आपदाओं के चलते प्रति वर्ष देश में हजारों लोग मारे जाते हैं, और हजारों लोग बेघर हो जाते हैं। देखने में आया है कि हाल के वर्षों में प्राकृतिक आपदाओं की बारंबारता में इजाफा हुआ है। बेशक, सरकार मदद करती है, मुआवजा भी देती है। मगर इससे पीड़ितों को न तो खास राहत नहीं मिलती है, न ही सबको मिल सकती है। सरकारी महकमे की धांधली से बचाव असंभव है। सेना के तीनों अंग और एनडीआरएफ ऐसे वक्त में आपदाग्रस्त देशवासियों के खासे मददगार साबित होते हैं।

राहुल ही नहीं, कोई भी अपनी जाति बताने में शर्मसार क्यों हो

अजय कुमार

हिन्दुस्तान की राजनीति में क्या राहुल गांधी होना ही काफी है। वह जो सवाल सबसे पूछते हैं,वही सवाल जब उनसे कोई पूछ लेता है तो इसमें उनकी इनसर्ट कैसे हो जाती हैं। कहीं ऐसा तो नहीं वह अभी भी मध्यकालीन सामंतवादी सोच से बाहर नहीं निकल पाये हैं। यह सच है कि राहुल ऐसे परिवार से आते हैं जिसने आजादी के बाद दशकों तक सामंतवादी सोच के साथ देश पर राज किया है, जिनकी ताकत इतनी हुआ करती थी कि देश में इनकी मर्जी के बिना पत्ता भी नहीं हिलता था। इनके एक इशारे पर प्रदेश की सरकारों की तकदीर बनती बिगड़ती थी। मुख्यमंत्री और सरकारें रातोंरात बदल और गिरा दी जाती थीं। इनके द्वारा राजशाही तरीके से देश को आपातकाल में झोंक दिया जाता था,जिनके द्वारा अपने हिसाब से देश की आजादी का इतिहास लिखवाया गया,जिसको चाहा अपमानित किया गया और जिसे चाह सिर आंखों पर बैठा दिया गया। इसी लिये वीर सावरकर जैसे स्वतंत्र सेनानी को यह लोग अपमानित करते हैं।सुभाष चन्द्र बोस को परेशान किया गया।

कांग्रेस आज भी इसी सोच के साथ जी रही है कि जो वह कहें वही पत्थर की लकीर है,उसे कोई काट नहीं सकता है। इससे ज्यादा दुख की बात यह है कि इंडिया गठबंधन के कुछ सहयोगी भी इससे इतिफाक रखते हैं, जिसमें आजकल समाजवादी पार्टी के दूसरी पीढ़ी के नेता पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव का नाम भी भी शीर्ष पर मौजूद है। मुलायम सिंह यादव जो ताउम्र कांग्रेस के खिलाफ लड़ते रहे,आपातकाल में जेल गये,उन्हीं के बेटे अखिलेश यादव तब उतेजित हो जाते हैं जब बीजेपी के नेता राहुल गांधी से उनकी जाति पूछ लेते हैं। वह सदन में चिल्लाने लगते हैं कि राहुल गांधी की जाति कैसे पूछी,जबकि राहुल-अखिलेश की जोड़ी अपनी राजनीति चमकाने के लिये समय-बेसमय किसी की भी जाति पूछकर उसका उपहास उड़ाने या उसके सहारे अपनी राजनीति चमकाने का कोई मौका नहीं छोड़ते हैं।

बहुत दिन नहीं हुए, जब यह दोनों नेता लोगों और विशेषकर अधिकारियों एवं मीडिया वालों की जाति पूछते थे, लेकिन जब लोकसभा में बीजेपी के एक नेता ने गोलमोल शब्दों में उनकी जाति पूछ ली तो वह उछल पड़े, जबकि राहुल का नाम लिये बिना बीजेपी के मंत्री अनुराग ठाकुर ने लोकसभा में तंज कसा था कि जिन्हें अपनी जाति का पता नहीं, वे उसके गणना की मांग कर रहे है। यह बात राहुल और उनकी टीम के सदस्यों को इनती बुरी लगी कि इन्होंने हंगाम खड़ा कर दिया। कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों के नेता संसद के भीतर और बाहर आपे से बाहर हो गए। इनमें कांग्रेस के वे नेता भी है, जो लोगों की जाति जानने की राहुल गांधी की अपरिपक्व राजनीति को उनका मास्टर स्ट्रोक बताया करते थे। सवाल यही है कि कोई अपरिक्त नेता जब हर तफर घूम-घूमकर सबकी जाति जानने की कोशिश करेगा तो फिर उसे अपनी भी जाति बताने के लिए तैयार रहना चाहिए,जैसा भाजपा नेता अनुराग ठाकुर ने राहुल गांधी की जाति के बारे में पूछा था। राहुल गांधी इस कटाक्ष को अपना अपमान बता रहे है। यह वही राहुल हैं, जो चंद दिन पहले लोकसभा में भाजपा नेताओं को दुर्योधन, शकुनी आदि बताते में लगे हुए थे। इसके पहले वह एक जनसभा में यह कह चुके हैं कि प्रधानमंत्री मोदी तो ओबीसी हैं ही नहीं,जबकि इसके उलट तमाम लोग राहुल गांधी को तो हिन्दू ही नहीं मानते हैं।

यह एक सामान्य बात है कि किसी को भी दूसरों के साथ वैसा व्यवहार नहीं करना चाहिए, जैसा उसे अपने लिए पसंद न हो,लेकिन राहुल गांधी हों या फिर अन्य कुछ नेता इससे इत्तेफाक नहीं रखते हैं। अनुराग ठाकुर के बयान पर संसद में जो हंगामा हुआ, वह केवल राहुल गांधी का अपनी खीझ मिटाने और जनता का इस मुद्दे से ध्यान हटाने के अलावा कुछ नहीं था। यह हास्यास्पद ही है कि अनुराग ठाकुर के बयान का समर्थन करने के कारण कांग्रेस प्रधानमंत्री के खिलाफ विशेषाधिकार हनन का नोटिस देने पर विचार ले आई।क्योंकि मोदी ने अनुराग के भाषण वाला वीडियो फारवर्ड कर दिया था। बहरहाल, संसद में आज जाति के नाम पर जो घमासान हो रहा है,उसकी नींव कांग्रेस ने बहुत पहले ही रख दी थी। आजादी के बाद कांग्रेस ही तो थी,जिसने अंग्रेजों के डिवाइड एंड रूल वाले फार्मूले को जिंदा रखा था।

जातिवादी राजनीति का ही नतीजा है कि समाज बंटता जा रहा है। जब नेताओं को देश को जाति की राजनीति से बाहर लाने की कोशिश की जानी चाहिए, तब कुछ दलों और विशेष रूप से कांग्रेस के नेता जाति की राजनीति को तूल देकर समाज में विभाजन और वैमनस्य पैदा करने में लगे हुए हैं। वे यह कहकर जाति की गणना की मांग करने में लगे हुए हैं कि इससे ही समस्त समस्याओं का समाधान होगा और सामाजिक न्याय का लक्ष्य हासिल होगा। यदि जाति गणना इतनी ही आवश्यक थी तो दशकों का लक्ष्य हासिल होगा। यदि जाति गणना आवश्यक थी तो दशकों तक केंद्र की सत्ता में रही कांग्रेस ने ऐसा क्यों नहीं किया? प्रश्न यह भी है कि क्या लोगों की जाति जाने बिना उन्हें गरीबी से बाहर निकालने और शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार के प्रश्न हल करना संभव नहीं? हर कोई इससे अच्छी तरह परिचित है कि जाति की राजनीति ने समाज को विभाजित करने के साथ सामाजिक न्याय की राह में मुश्किल पैदा की है, फिर भी कुछ नेता अपना राजनीतिक उल्लू सीधा करने के लिए समाज को जातियों में बांटने में लगे हुए हैं।

जातीय वैमनस्य के रूप में इसके दुष्परिणाम सामने है, लेकिन जातिवादी नेता यह देखने-समझने को तैयार नहीं। हमारे समाज में तो केवल दो ही जातियां होनी चाहिए-अमीर एवं गरीब और उनका ही पता लगाया जाना चाहिए। कांग्रेस हो या फिर समाजवादी पार्टी अथवा राष्ट्रीय जनता दल जैसी पार्टियों के नेता एक तरफ तो वह जातीय जनगणना की बात करते हैं, लेकिन जब मुसलमानों में जातीय मतभेद को लेकर सवाल पूछे जाते हैं तो इनके मुंह पर ताले पड़ जाते हैं। क्योंकि मुसलमानों में जातीय भेदभाव से इनका वोट बैंक बंट जायेगा। राहुल गांधी जैसे अपरिपक्व नेताओं को समझना चाहिए की जातीय भेदभाव करके वह कुछ समय के लिये अपनी राजनीति को आगे बढ़ा सकते हैं, लेकिन हमेशा ऐसा होने वाला नहीं है। आम चुनाव में भी यही बात नज़र आई है।

छत्तीसगढ़ में महतारी का बढ़ा मान, साय सरकार का अभिनव काम

नसीम अहमद खान

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार माताओं-बहनों को सामाजिक, आर्थिक रूप से सशक्त करने के साथ ही उनके मान-सम्मान को बढ़ावा देने का काम पूरी ईमानदारी से कर रही है, जिसके चलते महिलाओं में एक नया आत्म विश्वास जगा है। महिलाओं को आर्थिक मदद देने के लिए संचालित महतारी वंदन योजना के चलते राज्य की 70 लाख महिलाओं को अब अपनी छोटी-मोटी जरूरतों को पूरा करने के लिए किसी तरह की दिक्कत नहीं रही है। इस योजना के तहत महिलाओं के बैंक खाते में राज्य सरकार की ओर से हर महीने एक हजार रूपए की राशि पहुंच रही है। छत्तीसगढ़ सरकार ने महतारी के अनमोल योगदान के प्रतीक के रूप में ''एक पेड़ मां के नाम'' अभिनव पौधरोपण अभियान की शुरूआत की है। इस अभियान का उद्देश्य छत्तीसगढ़ राज्य को और अधिक हरा-भरा बनाने, पर्यावरण का संरक्षण और महतारी का सम्मान है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मौजूदगी में 5 फरवरी 2024 को छत्तीसगढ़ सरकार ने राज्य की माताओं और बहनों से किए अपने संकल्प को पूरा करते हुए महतारी वंदन योजना की शुरूआत की थी। इस योजना के तहत राज्य की 70 लाख महिलाओं को एक हजार रूपए की मदद दी जा रही है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय महतारी वंदन योजना की छठवीं किश्त की राशि एक अगस्त को अंतरित करेंगे।

छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा संचालित 'एक पेड़ मां के नाम' वृक्षारोपण अभियान के तहत राज्य में हर व्यक्ति को अपनी मां के सम्मान में एक पौधा लगाने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। यहां यह उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस के मौके पर 'एक पेड़ मां के नाम' पौधरोपण अभियान का शुभारंभ किया गया है। इस अभियान के अंतर्गत देश में सितम्बर 2024 तक 80 करोड़ एवं मार्च 2025 तक 140 करोड़ वृक्षों के रोपण का लक्ष्य है। 'एक पेड़ मां के नाम' पौधरोपण अभियान के अंतर्गत छत्तीसगढ़ राज्य में 2 करोड़ 75 लाख पौधों का रोपण किया किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने राज्य में 'एक पेड़ माँ के नाम' वृक्षारोपण अभियान की शुरुआत 4 जुलाई को की थी। उन्होंने रायपुर स्थित अपने निवास पर दहीमन का पौधा लगाया और नागरिकों से अपनी माँ के नाम पर एक पेड़ लगाने का आग्रह किया था।एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत लोग अपनी मां के सम्मान में पेड़ लगाने के अलावा अपनी आस्था के अनुसार देवी-देवताओं के नाम पर भी पौधे लगा रहे है। सभी जिलों में ग्राम एवं पंचायत स्तर पर जनप्रतिनिधियों की भागीदारी से वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। इस अभियान के तहत ग्रामीण इलाकों में फलदार पौधे, लघु वनोपज एवं औषधीय प्रजाति के पौधों का रोपण हो रहा है। शहरी क्षेत्रों में छायादार प्रजातियां का रोपण किया जा रहा है। स्कूलों, छात्रावासों, आंगनबाड़ी केन्द्र, पुलिस चौकी, अस्पताल, शासकीय परिसर, शासकीय एवं अशासकीय भूमि, विभिन्न औद्योगिक संस्थानों की रिक्त भूमि में भी इस अभियान के अंतर्गत पौधे रोपित किए जा रहे हैं।

छत्तीसगढ़ राज्य में पेड़ लगाने का यह अभियान न केवल पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, बल्कि यह मातृत्व का सम्मान करने का एक अनूठा तरीका भी है। 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान आक्सीजन की मात्रा बढ़ाने, धरती का तापमान कम करने, भूजल स्तर को ऊपर लाने और प्रदूषण नियंत्रण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

लेखक उप संचालक, जनसम्पर्क हैं।

उत्तर पूर्व के साथ एकीकरण से उत्तर बंगाल के विकास की राह होगी आसान !

हर्षवर्धन श्रृंगला

उत्तर-पूर्वी परिषद में उत्तर बंगाल के एकीकरण को लेकर हालिया चर्चा कोई नई बात नहीं है। दरअसल, इस धारणा ने हाल के दिनों में नए सिरे से लोगों का ध्यान आकर्षित किया है। वास?तव में, उत्तर पूर्व के साथ उत्तर बंगाल एकीकरण एक व?यवहारिक समाधान है, जो उत्तरी बंगाल के लोगों के सामने आने वाली विभिन्न चुनौतियों का समाधान करता है। निश्चित ही, इस क्षेत्र को लंबे समय से उपेक्षित रखा गया है, क?योंकि पश्चिम बंगाल में विकास कोलकाता-केंद्रित है, जिसका लाभ केवल दक्षिण बंगाल को मिल रहा है। दरअसल, सम?प्रदायों द्वारा ध?यान नहीं दिए जाने की वजह से उत्तर बंगाल को राज्य के बाकी हिस्सों से अलग करना क्षेत्र के लोगों का पसंदीदा विकल्प रहा है। परिणामस्वरूप, उत्तर बंगाल में पश्चिम बंगाल से अलग होने की मांग को लेकर कई राजनीतिक आंदोलन देखने को मिलते रहे हैं। गोरखाओं, राजवंशियों और कामतापुरी द्वारा अलग राज्य की मांग पश्चिम बंगाल के कुछ उपेक्षित समुदायों की हताशा को दर्शाती है, जबकि अलग राज्य की मांग उत्तरी बंगाल के विभिन्न समुदायों की प्रबल इच?छा है, हालांकि यह एक जटिल मुद्दा है, क?योंकि प्रत्येक समुदाय पहचान और आत्म-स्वायत्तता की अलग-अलग भावनाएं रखता है। इसलिए, वर्तमान परिपेक्ष?य में उत्तर-पूर्वी परिषद में उत्तर बंगाल के एकीकरण को वहां के लोगों के सामने आने वाली आर्थिक चुनौतियों के लिए एक आशाजनक समाधान के रूप में देखा जाना चाहिए।

गंगा के उत?तर में स्थित राज?य के आठ जिलों- दार्जिलिंग, कलिम्पोंग, जलपाईगुड़ी, कूच बिहार, मालदा, उत्तर दिनाजपुर, दक्षिण दिनाजपुर और अलीपुरद्वार को अक्सर सामूहिक रूप से उत्तर बंगाल कहा जाता है। ऐतिहासिक दृष्टि से, यह क्षेत्र पूर्वी भारत और पवित्र गंगा के मैदान के बीच एक संक्रमणकालीन क्षेत्र था। विभाजन के साथ, पूर्वी भारत कई तरह की चुनौतियों वाला क्षेत्र बन गया। दूरी और कई अन?य चुनौतियों की वजह से यहां कई तरह के प्रतिकूल आर्थिक परिणाम देखने को मिले, हालांकि उत?तरी बंगाल के इन जिलों पर विभाजन के प्रभाव का असर दिखा और ये अपनी भौगोलिक सीमाओं से दूर हो गए। ये जिले पश्चिम बंगाल के सबसे उपेक्षित हिस्सों में शामिल हैं, हालांकि यह क्षेत्र रणनीतिक और देश की सुरक्षा के दृष्टिकोण से बेहद महत्वपूर्ण है। उत्तर बंगाल का एक बड़ा हिस्सा सिलीगुड़ी कॉरिडोर द्वारा परिभाषित किया गया है, जो पश्चिम बंगाल में एक प्रमुख शहरी केंद्र है, जो 'चिकन नेक' के पास स्थित होने के कारण रणनीतिक रूप से अत?यंत महत्वपूर्ण है। यह उत्तर-पूर्वी राज्यों को शेष भारत से जोड़ता है। इस स्थिति की वजह से एक महत्वपूर्ण व्यापार और पारगमन बिंदु के रूप सिलीगुड़ी कॉरिडोर प्रसिद्ध है, जो आर्थिक परिदृश्य में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है, हालांकि सुगम परिवहन, पर्याप्त लॉजिस्टिक बुनियादी ढांचे, नियामक बाधाओं और क्षेत्रीय आर्थिक असमानताओं की कमी के कारण यह क्षेत्र अपनी पूरी क्षमता से विकसित नहीं हो पाया है। नेपाल, भूटान, बांग्लादेश और चीन के पड़ोसी देश सिलीगुड़ी कॉरिडोर, भारत को म्यांमार के माध्यम से दक्षिण पूर्व एशिया और पूर्वी एशिया से जोड़ता है, जो देश के लिए रणनीतिक महत्व रखता है, लेकिन केंद्र और राज्य में समन्वय में कमी की वजह से प्रभावित रहता है। उत्तर पूर्व भारत में बुनियादी ढांचे में बड़े पैमाने पर सुधार सभी के सामने है। बुनियादी ढांचे को बढ़ाकर और इसे उभरते ट्रांस-एशियाई कनेक्टिविटी नेटवर्क से जोड़कर दक्षिण पूर्व एशिया के लिए एक पुल के रूप में सिलीगुड़ी कॉरिडोर का विकास समय की मांग है, लेकिन यह तभी संभव हो सकता है, जब उत्तर बंगाल स्वतंत्र रूप से संसाधनयुक्त होगा।

दुनिया भर में राजनीतिक सीमाओं से विभाजित उप-क्षेत्रों के भीतर आर्थिक तालमेल पुनर्जीवित हो रहा है। सामान्य बुनियादी ढांचा और आर्थिक स्थान, जो इस निकटता को स्वीकार करते हैं, निश्चित ही, यह बेहतर व्यवस्था की नींव हैं। समग्र उत्तर पूर्व की अवधारणा इसी तर्क की स्वीकृति है। इस परिप्रेक्ष्य से देखने पर, उत्तर बंगाल को उत्तर-पूर्वी भारत से जोड़ने के लिए जिस सामंजस?य का लाभ लिया जा सकता है, उसका तर्क स्पष्ट है, लेकिन यह समझना मुश्किल है कि उत्तर पूर्व को कूच बिहार की पूर्वी सीमा से क्यों, बल्कि इसकी निर्भरता दार्जिलिंग और डुआर्स के माध्यम से सिक्किम पार करने के बाद फिर से शुरू की जानी चाहिए।

ऐसी व्यवस्थाओं का लाभ उनके उपकेंद्रों के इतर भी देखने को मिलता है। बंगाल हमेशा से एक समुद्री राज्य रहा है। उत्तर पूर्व के साथ भूमि संबंधों को मजबूत किए जाने के बाद पूरे पश्चिम बंगाल के लिए बंगाल की खाड़ी के बड़े क्षेत्र के प्रवेश द्वार के रूप में अपनी ऐतिहासिक भूमिका का विस्तार करने का अवसर पैदा होगा। अंदरूनी इलाके का आर्थिक भार, जिसने कोलकाता और कलकत्ता बंदरगाह को अपने समय के महान आर्थिक केंद्रों में से एक बना दिया था, अब उत्तर पूर्व के साथ इस जैविक संबंध को पुनर्जीवित करके उसे उत्तरी बंगाल के माध्यम से फिर से जागृत करने में मदद मिलेगी। उत्तर पूर्व में बुनियादी ढांचे का विकास और विदेश नीति के नेबरहुड फर्स्ट और एक्ट ईस्ट स्तंभों पर प्रधानमंत्री मोदी का ध्यान उत्तर बंगाल को ऐतिहासिक अवसर प्रदान करता है। उत्तर-पूर्वी परिषद (एनईसी) भारत के उत्तर-पूर्वी क्षेत्र के आर्थिक और सामाजिक विकास के लिए नोडल एजेंसी है, जिसे भारत के उत्तर-पूर्व के विकास के रास्ते में आने वाली बुनियादी बाधाओं को दूर करने के इरादे से बनाया गया है।

सभी केंद्रीय मंत्रालयों के वार्षिक बजट का लगभग 10 प्रतिशत उत्तर-पूर्वी क्षेत्र के विकास के लिए आवंटित किया जाता है। उत्तर-पूर्वी राज्यों में विकास की सामान्य बाधाएं उत्तर बंगाल पर भी लागू होती हैं, लेकिन एनईसी का लाभ उत्तर बंगाल और उसके लोगों तक नहीं पहुंचता है। उत्तर बंगाल, जो हिमालय की तलहटी में स्थित है, शेष उत्तर-पूर्वी क्षेत्र के समान चुनौतियों के बावजूद एनईसी के तहत किसी भी योजना या कार्यक्रम का लाभार्थी नहीं है। उत्तर बंगाल के पहाड़ी क्षेत्रों में पश्चिम बंगाल की तुलना में उत्तर-पूर्वी क्षेत्र के साथ अधिक समानता है, विशेष रूप से संस्कृति और इलाके में समानता के अलावा सामाजिक और विकासात्मक चुनौतियों के मामले में। सभी उत्तर-पूर्वी राज्यों की तरह, उत्तरी बंगाल एक सीमावर्ती क्षेत्र है, जिसके कारण इसे समान विकास और सामाजिक चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। ऐसे में, उत्तर-पूर्वी परिषद के तहत कार्यक्रमों में इसका शामिल होना तार्किक और स्वाभाविक रूप से उचित है। इसके अलावा, उत्तर-पूर्वी राज्यों को अन्य देशों से भी विकासात्मक सहायता मिलती है, लेकिन ये लाभ केवल उत्तर-पूर्व भारत को परिभाषित करने के कारण उत्तर बंगाल तक नहीं पहुंचता है। उदाहरण के लिए, जापान ने 'एक्ट ईस्ट फोरम' के तहत उत्तर पूर्व में बुनियादी ढांचे में सुधार के लिए लगभग 2 बिलियन डॉलर का निवेश किया है। भारत के उत्तर पूर्व में जापान द्वारा वित्तपोषित कुछ प्रमुख विकासात्मक परियोजनाओं में गुवाहाटी जल आपूर्ति परियोजना, असम में सीवेज परियोजना, असम-मेघालय में उत्तर-पूर्व सड़क नेटवर्क कनेक्टिविटी परियोजना, मेघालय में एक पनबिजली स्टेशन का नवीनीकरण और आधुनिकीकरण, जैव विविधता संरक्षण शामिल हैं। इसके साथ ही, सिक्किम में वन प्रबंधन और नागालैंड में वन संरक्षण आजीविका जैसी परियोजनाएं भी शामिल हैं, जबकि जापान ने ऐसे कार्यक्रमों को पड़ोसी क्षेत्रों में विस्तारित करने की इच्छा व्यक्त की है। दुर्भाग्य से ऐसी सहायता उत्तर-पूर्वी परिषद द्वारा प्रशासित क्षेत्रों तक ही सीमित है, इसलिए उत्तर बंगाल को एनईसी के दायरे में लाना इस क्षेत्र के लिए आवश्यक विकासात्मक सहायता में बाधा बनने वाली कुछ अड़चनों को दूर करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। पश्चिम में सिक्किम से लेकर पूर्व में अरुणाचल प्रदेश तक उत्तर-पूर्वी राज्यों का क्षेत्र पूर्वी हिमालय श्रृंखला में स्थित है और इस तरह इन क्षेत्रों में जातीय समूह महत्वपूर्ण सांस्कृतिक और जातीय समानताएं साझा करते हैं। दार्जिलिंग और सिक्किम की आबादी में मुख्य रूप से लेप्चा, भूटिया और नेपाली (गोरखा) जैसे जातीय समूह शामिल हैं। उनकी साझा शारीरिक विशेषताएं उनके सामान्य वंश का प्रमाण हैं। दार्जिलिंग, कलिम्पोंग, सिक्किम और अरुणाचल प्रदेश में लोगों की जीवनशैली उनके पहाड़ी वातावरण ये गहराई से जुड़ी हुई हैं। यदि, उत्तर बंगाल को उत्तर पूर्वी परिषद के दायरे में लाया जाता है तो पहाड़ी इलाके के कारण उत्तरी बंगाल की पहाड़ियों में उत्पन्न होने वाली प्रशासनिक चुनौतियों की समानता को बेहतर ढंग से हल किया जा सकता है। दार्जिलिंग और कलिम्पोंग पश्चिम बंगाल के एकमात्र पहाड़ी जिले हैं और अपने अद्वितीय इलाके के कारण, यहां रहने वाले लोगों को अलग-अलग चुनौतियों का सामना करना पड़ता है, जिन?हें बंगाल सरकार की सभी नीतियों के अनुसार लाभ नहीं पहुंचता है। इसके अतिरिक्त, जलपाईगुड़ी, कूच बिहार, उत्तर दिनाजपुर और अलीपुरद्वार सहित उत्तरी बंगाल के क्षेत्र असम के साथ सांस्कृतिक समानताएं प्रदर्शित करते हैं। राजवंशी, आदिवासी और बोडो और राभा जैसे विभिन्न आदिवासी समुदाय दोनों क्षेत्रों में निवास करते हैं। ये समूह सदियों से आपस में घुलेमिले हैं, जिसके परिणामस्वरूप यहां साझा सांस्कृतिक प्रथाएं सामने आई हैं।

बंगाली के साथ-साथ उत्तरी बंगाल के कुछ हिस्सों में असमिया व्यापक रूप से समझी और बोली जाती है। असम का एक महत्वपूर्ण त्योहार बिहू का जश्न उत्तरी बंगाल में भी मनाया जाता है, जहां इसे समान उत्साह और रीति-रिवाजों के साथ मनाया जाता है। इसके अतिरिक्त, बुनाई की सांस्कृतिक प्रथा, विशेष रूप से आदिवासी समुदायों के बीच, एक सामान्य कड़ी है, जो इन क्षेत्रों को जोड़ती है। कृषि जीवनशैली अभिसरण का एक और बिंदु है। उत्तर बंगाल और उत्तर-पूर्व भारत दोनों ही अपने उपजाऊ मैदानों और चाय बागानों के लिए जाने जाते हैं। नदी क्षेत्रों में पारंपरिक मछली पकड़ने की प्रथाओं के साथ-साथ चावल, जूट और चाय की खेती, उनकी आर्थिक और जीवन शैली की समानता को रेखांकित करती है।

अपार संभावनाओं से परिपूर्ण क्षेत्र होने के बावजूद, उत्तर बंगाल को विकास के असंख्य मुद्दों का सामना करना पड़ता है, जो इसकी प्रगति में बाधक हैं। बुनियादी ढांचे की कमियों से लेकर सामाजिक-आर्थिक असमानताओं तक कई चुनौतियां बनी हुई हैं। सबसे प्रमुख चिंताओं में से एक अपर्याप्त बुनियादी ढांचा है। क्षेत्र की सड़क और रेल नेटवर्क इसकी बढ़ती आबादी और आर्थिक गतिविधियों के बेहतर संचालन के लिए अपर्याप्त हैं। यहां व?यवस?था बार-बार होने वाले भूस्खलन और बाढ़, ख़राब जल निकासी प्रणालियों के कारण और भी बदतर हो जाती है, जिससे कनेक्टिविटी बुरी तरह बाधित हो जाती है। ये क्षेत्र दूर-दराज के ईलाकों से अलग-थलग पड़ जाता है। इसका असर व्यापार पर पड़ता है। उत्तर बंगाल में स्वास्थ्य सेवा और शिक्षा सेवाएं भी पिछड़ रही हैं। आर्थिक विकास चिंता का एक अलग विषय है, जबकि कृषि क्षेत्र की अर्थव्यवस्था की रीढ़ बनी हुई है, यह कम उत्पादकता और आधुनिक कृषि तकनीकों और बाजारों तक अपर्याप्त पहुंच से प्रभावित है। वहीं, चाय उद्योग, जो एक महत्वपूर्ण आर्थिक चालक है, वह वैश्विक कीमतों में उतार-चढ़ाव, श्रम विवाद और पर्यावरणीय गिरावट जैसी चुनौतियों का सामना कर रहा है।

संक्षिप्त समाचार

विकासखण्ड स्तरीय नवोदय विद्यालय प्रवेश परीक्षा हेतु अभ्यास टेस्ट का किया गया आयोजन

जांजगीर-चांपा/ कलेक्टर श्री आकाश छिकारा के विशेष पहल पर शासकीय स्कूलों में कक्षा 5वीं में अध्ययनरत छात्रा-छात्राओं के लिए सभी ब्लॉक मुखायलय में विकासखण्ड स्तरीय नवोदय विद्यालय प्रवेश परीक्षा का अभ्यास टेस्ट आयोजित किया गया ताकि शासकीय स्कूलों के छात्र-छात्राओं का अधिक से अधिक चयन नवोदय विद्यालय में हो सके। नवोदय विद्यालय में बच्चों का चयन हो और वह प्रवेश पाएं इसको लेकर जिले सभी स्कूलों में शिक्षकों के माध्यम से तैयारी कराई जा रही है। कलेक्टर श्री आकाश छिकारा द्वारा जिले में सतत रूप से शिक्षा के विकास को लेकर विभिन्न प्रकार की शैक्षणिक गतिविधियां चलाई जा रही है। जिनमें बोलेगा बचपन, पढ़ाई का कोना के साथ ही स्कूली बच्चों के लिए प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारियों को लेकर भी अभ्यास टेस्ट कराये जा रहें हैं।

संकुल स्तर पर पालक-शिक्षक मेगा बैठक 6 अगस्त को

छत्तीसगढ़ शासन द्वारा जारी 12 बिंदुओं पर होगी विस्तार से चर्चा, तैयारियों को लेकर संकुल प्रभारी व समन्वयकों की रखी गई बैठक

महासमुंद (समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ शासन स्कूल शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार आगामी 6 अगस्त को संकुल स्तर पर पालक-शिक्षक मेगा बैठक के आयोजन को लेकर आज सभी संकुल प्रभारी एवं संकुल समन्वयकों की एक बैठक रखी गई, जिसमें उक्त मेगा बैठक के तैयारी को लेकर विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की गई। बैठक में संभागीय संयुक्त संचालक रायपुर संभाग राकेश पांडे के निर्देश पर प्रमुख रूप से सहायक संचालक जाट सर, विकासखंड शिक्षा अधिकारी प्रकाश चंद्र मांझी, विकासखंड स्त्रोत केंद्र समन्वयक सतीश स्वरूप पटेल, सहायक विकासखंड शिक्षा अधिकारी डी एन दीवान उपस्थित थे। आगामी 6 अगस्त को शिक्षकों एवं पालकों के मध्य समन्वय, पालकों को उनके बच्चों के पढ़ाई में मदद हेतु समाधान कारक उपाय सुझाना, जादुई पिटारा, दीक्षा एप, डिजिटल लाइब्रेरी, मुस्कान पुस्तकालय, बालवाड़ी , नई शिक्षा नीति 2020 तथा शासन के द्वारा बच्चों के लिए संचालित हितग्राही योजनाओं एवं शिक्षा गुणवत्ता उन्नयन हेतु राज्य में संचालित विभिन्न कार्यक्रमों से पालकों को अवगत कराने के उद्देश्य से प्रदेश भर के सभी विकासखंडों में 6 अगस्त को संकुल स्तर पर शिक्षक-पालक मेगा बैठक का आयोजन किया गया है। उक्त बैठक के लिए जिले में सभी स्थानों पर विकासखंड स्तरीय अधिकारी नियुक्त किए गए हैं, जो बैठक के सफलतापूर्वक संचालन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। मेगा बैठक के सफल आयोजन एवं तैयारियों पर विस्तृत चर्चा के लिए आज पुराने साइंस कॉलेज भवन में समस्त संकुल प्रभारी एवं समन्वयकों की बैठक रखी गई, जिसमें मेगा बैठक में अधिक से अधिक पालकों की उपस्थिति सुनिश्चित हो एवं अन्य सभी प्रकार की तैयारियों पर विस्तृत चर्चा की गई। मेगा बैठक में छत्तीसगढ़ शासन द्वारा जारी पत्र में दिए गए 12 बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा की जाएगी। साथ ही कार्यवाही पंजी में पूरे बैठक का विवरण भी संधारित किया जाएगा। बैठक में विशेष रूप से उपस्थित जाट के द्वारा भी इस आयोजन को लेकर महत्वपूर्ण सुझाव दिए गए।आज की बैठक में ब्लॉक के सभी 38 संकुलों के प्रभारी एवं समन्वयक गण उपस्थित थे।

सौतेल पिता की हत्या करने वाला पुत्र गिरफ्तार

जशपुर। जिले के दोकड़ा चौकी क्षेत्र में अपने सौतेल पिता की हत्या करने वाले पुत्र को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। मिली जानकारी के अनुसार मृतक प्रदीप टोप्पो चैनपुर झारखंड निवासी था जो कि यहां दोकड़ी चौकी क्षेत्र के केनाडांड़ चुनदरहा में एक महिला से विवाह कर रह रहा था। महिला का पहले पति से एक पुत्र महेश राम है। जिसका अक्सर अपने सौतेली पिता प्रदीप से विवाद होता रहता था। प्रदीप अक्सर शराब पीकर अपनी पत्नी व सौतेल पुत्र के साथ विवाद करता था। घटना के दिन 28 जुलाई को भी प्रदीप ने शराब के नशे में अपने सौतेले बेटे-पत्नी से और शराब पीने के लिए पैसे मांग रहा था। जिसे लेकर उनके बीच विवाद हो गया। विवाद होने पर बेटे ने डंडे से मार कर अपने पिता की हत्या कर दी। इस मामले में पुलिस ने हत्या कर मामला दर्ज कर आरोपी महेश राम (25) निवासी केनाडांड़ चुनदरहा को गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया है।

भारी विरोध के बाद 108 एम्बुलेंस भेजी गयी

एक मरीज के लिए एम्बुलेंस नहीं भेजेंगे

पिथौरा (समय दर्शन)। पिथौरा मे स्वास्थ्य विभाग बमुश्किल अलर्ट हुआ तो अब 108 एम्बुलेंस प्रबंधन के क्रिया कलापो से लोग परेशान हो रहे हैं । जरूरत मंद मरीजों के लिए वरदान साबित हो रही 108 एम्बुलेंस प्रबंधक द्वारा अब एक मरीज के 108 लिए वाहन नहीं भेजने की बात कही जा रही है। ग्राम गोड़बहाल के सरपंच द्वारा ग्राम में फैले डायरिया की गम्भीर मरीज को पिथौरा पहुंचाने की बात पर जिला प्रबंधक ने यह बात कही।

भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं गोड़बहाल सरपंच सादराम पटेल की ग्राम पंचायत के चहारडबरी क्षेत्र विगत सप्ताह से डायरिया की मार से यहां ग्राम की महिला दुलेश्वरी बरिहा (23) की मौत हो चुकी है। डायरिया को गम्भीरता से लेते हुए स्थानीय सामुदायिक

स्वास्थ्य केंद्र के बीएमओ डॉ. बी बी कोसरिया ने मामले की गम्भीरता को देखते हुए तत्काल ग्राम गोड़बहाल में कैम्प लगा कर ग्रामीणों के घर घर पहुंच कर उपचार कर हालात संभालकर लोगों को स्वास्थ्य सुविधा पहुँचाने से स्थिति सामान्य हुआ है ।

बावजूद इसके शनिवार की प्रात: मृतिका की माँ वर्षीय मोहरमती भी डायरिया से गम्भीर हो गयी थी, जिसे उचित उपचार हेतु पिथौरा ले जाना था। इसके लिए स्वास्थ्य विभाग की टीम के साथ ग्रामीणों को समझाने जुटे सरपंच सादराम पटेल ने तत्काल 108 एम्बुलेंस को कॉल किया, परन्तु 108 के चालक के नहीं जाने की बात पर श्री पटेल ने उनके जिला अधिकारी से बात की। 108 के जिला संचालक ने सरपंच को ही सीधे निर्देश दे डाला कि पहले वह तीन चार मरीज हो जाये,तभी गाड़ी

भारी विरोध के बाद डायरिया प्रभावित गांव में भेजी- भेजेंगे। उनकी बात सुनकर श्री पटेल ने संचालक के निर्देश का उनके सामने ही जमकर विरोध किया। श्री पटेल के भारी विरोध के कारण अंतत: 108 गोड़बहाल भेजी गई और वृद्धा का उपचार स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कर उसका उपचार किया जा रहा है।

विधायक चातुरी नंद ने किया झेरिया यादव समाज सामुदायिक भवन का भूमिपजन

झेरिया यादव समाज के सामुदायिक भवन के लिए 5 लाख रूपये देने की घोषणा

बसना (समय दर्शन)। बसना विकासखण्ड के वनांचल ग्राम जमदरहा में झेरिया यादव समाज के सामुदायिक भवन निर्माण कार्य का भूमिपजन सरायपाली विधायक श्रीमती चातुरी नंद के करकमलों से भगवान श्री राधाकृष्ण की पूजा अर्चना कर किया गया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक चातुरी नंद ने कहा कि झेरिया यादव समाज एक शिक्षित और जागरूक समाज रहा है। समाज का भरपूर समर्थन और प्यार दुलार मुझे विधानसभा चुनाव में भी मिला था जिसके लिए मैं सबका आभारी हूं।

विधायक नंद ने यादव समाज के सामुदायिक भवन निर्माण हेतु 5 लाख रूपये देने की घोषणा भी की।

कार्यक्रम में फुलझर राज अध्यक्ष जगतराम यादव, कार्यकारी अध्यक्ष बालकराम यादव,केंद्रीय कोषाध्यक्ष खुलू राम यादव, उपाध्यक्ष गंगाधर यादव, बसना तहसील अध्यक्ष नरेन्द्र यादव, सरायपाली तहसील अध्यक्ष कैलाश यादव, बसना तहसील उपाध्यक्ष सतीष यादव, तहसील सचिव कुंजराम यादव, महिला प्रकोष्ठ केंद्रीय अध्यक्ष संतोषी यादव, सरायपाली तहसील अध्यक्ष महिला प्रकोष्ठ रिंकी यादव, गजानंद यादव, ओमप्रकाश यादव जमदरहा परिक्षेत्र अध्यक्ष पेनकू यादव, सचिव संपत्ति यादव, जोतराम यादव, नेहरू यादव, रविशंकर यादव, अरूण यादव समेत यादव समाज के वरिष्ठ नागरिक और ग्रामीण बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

निगम की अतिक्रमण टीम ने दर्जनभर घुमंतू मवेशियों को पकड़ा, लगातार पकडने चला रही है अभियान

मवेशी मालिक अपने जानवर को निर्धारित स्थल में बांध कर रखने तथा चौक-चौराहों व सड़कों पर घुमने पशुओं को खुला न छोड़ने की अपील

दुर्ग (समय दर्शन)। नगर पालिक निगम।जिला कलेक्टर सुश्री ऋचा प्रकाश चौधरी ने बरसात के दिनों में सड़कों में पशुओं के कारण होने वाली सड़क दुर्घटनाओं को ध्यान में रखते हुए आयुक्त लोकेश चन्द्राकर को शहर क्षेत्र में सड़कों से आवारा पशुओं को हटाने अभियान चलाने के निर्देश दिये हैं।आज राजेन्द्र पार्क,पटेल चौक,गांधी प्रतिमा के आस पास से लेकर गंज पारा चौक से आवारा मवेशियों को पकड़कर गौठान में भेजा गया।उन्होंने कहा कि पशु सड़क पर विचरण करते अथवा बैठे हुए पाये जाने पर पशुपालकों से जुर्माना राशि वसूली जाए। वहीं।नगर निगम आयुक्त लोकेश चन्द्राकर ने निगमाधिकारियो को निर्देश दिया कि कार्रवाही के दौरान पशुपालकों को मवेशियों के लिए व्यवस्था के लिए समझाइस दी जाए,इसके बावजूद भी मवेशी सड़क पर विचरण करते अथवा बैठे हुए पाएं जाने पर मवेशी मालिको से जुर्माना राशि वसूल करने हेतु आयुक्त ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिये।अतिक्रमण अधिकारी दुर्गेश गुप्ता ने बताया कि लगातार शहर क्षेत्र से आवारा मवेशियों को पकड़कर गोठान भेजा जा रहा है।उन्होंने कहा कि यह अभियान प्रतिदिन जारी रहेगा।उन्होंने दुर्घटना से बचने मवेशी मालिक अपने जानवर को निर्धारित स्थल में बांध कर रखने तथा चौक-चौराहों व सड़कों पर घुमने पशुओं को खुला न छोड़ने की अपील की है। उन्होंने कहा कि चौक-चौराहों व सड़कों पर खुला घुमते पाये जाने पर पशुओं को नगर निगम के अमले द्वारा पकड़कर गौठान में बंद कर नियमानुसार शुल्क व जुर्माना का भुगतान करने के उपरांत ही मुक्त कर संबंधित पशु पालकों को सौपा जायेगा।

टोयोटा किर्लोस्कर मोटर ने इनोवा हाइक्रॉस जेडएक्स और जेडएक्स (ओ) ग्रेड के लिए फिर से बुकिंग शुरू की

बैंगलोर: टोयोटा किर्लोस्कर मोटर (टीकेएम) ने 1 अगस्त 2024 से इनोवा हाइक्रॉस जेडएक्स और जेडएक्स (ओ) मॉडल के लिए बुकिंग फिर से शुरू करने की घोषणा की है। लॉन्च (नवंबर 2022) के बाद से इनोवा हाइक्रॉस को ग्राहकों से जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली है, इसे एक एसयूवी के आकार और एमपीवी की विशालता के साथ इसके अनुपात के लिए सराहा गया है। बहुमुखी इनोवा हाइक्रॉस, जो सेल्फ-चार्जिंग स्ट्रॉन्ग हाइब्रिड इलेक्ट्रिक वैरिएंट [एसएचईवी] के साथ-साथ गैसोलिन रूपांतर में उपलब्ध है, अपने ग्लैमर कोशंट, उन्नत टेक्नालॉजी, आराम, सुरक्षा सुविधाओं और ड्राइव करने के रोमांच के लिए मशहूर है। भारी मांग के कारण, टॉप एंड ग्रेड की बुकिंग को अस्थायी रूप से रोक दिया गया था। इस अवधि में, इनोवा हाइक्रॉस के अन्य ग्रेड, हाइब्रिड और गैसोलिन दोनों के लिए बुकिंग निरंतर जारी रही। सुव्यवस्थित और बढ़ी हुई आपूर्ति के साथ, प्रतीक्षा अवधि कम हो गई है और इनोवा हाइक्रॉस के शीर्ष ग्रेड की बुकिंग शुरू हो गई है। इस घोषणा पर टिप्पणी करते हुए, टोयोटा किर्लोस्कर मोटर के सेल्स-सर्विस-यूज्ड कार बिजनेस के वाइस प्रेसिडेंट, श्री सबरी मनोहर ने कहा, हम इनोवा हाइक्रॉस, जेडएक्स और जेडएक्स (ओ) के टॉप-एंड ग्रेड्स के लिए बुकिंग फिर से खोलने की घोषणा करते हुए रोमांचित हैं, जो 1 अगस्त 2024 से प्रभावी होगी। यह ग्राहकों की इच्छा पूरी करने के लिए हमारे विविध उत्पाद विकल्पों तक पहुंच प्रदान करने की हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। इनोवा हाइक्रॉस एक बेहद मांग वाला मॉडल बन गया है, जिसे इसके बेजोड़ आराम और सुविधा के लिए सराहा जाता है। अपनी उन्नत तकनीक, मजबूत हाइब्रिड इलेक्ट्रिक सिस्टम और मजबूत डिजाइन के साथ, इनोवा हाइक्रॉस ने बाजार में नए मानक स्थापित किए हैं।

समझाइस के बाद भी नही समझ रहें व्यापारी,अधिकारी बोले सड़क किनारे कब्जा हुई तो,अब समझाइस नही सीधे कार्रवाही

दुर्ग (समय दर्शन)। नगर पालिक निगम आयुक्त लोकेश चन्द्राकर के निर्देश पर शहर की सुंदरता एवं यातायात व्यवस्था बिगाड़ने वालो पर अब चेतावनी नहीं सीधे कार्रवाही होगी।अब शहर में सड़क किनारे अवैध कब्जा करने वालों की खैर नहीं है।नगर निगम प्रशासन उनके खिलाफ कड़ा रूख अख्तियार कर लिया है। सड़क किनारे एवं अपने दुकानों के सीमा क्षेत्र से बाहर समान सजाकर व्यवसाय करने वालों से पेनाल्टी वसूलने के साथ साथ सामान जब्त करने का निर्णय लिया गया है।इस कड़ी में आज सहायक राजस्व अधिकारी शुभम गोइर द्वारा शहर बाजार क्षेत्र के पटेल चौक,हटरी मार्किट,चण्डी मंदिर, इंदिरा मार्किट सहित आदि जगहों का निरीक्षण कर दुकानदारो और सड़क किनारे पसरा ठेला व खोमचे लगाने वालों को कहा कि सड़क क्षेत्र से अपना सामान हटाने की बात कही।उन्होंने ये भी कहा कि अब कोई समझाइस नही सीधे कार्रवाही होगी।सहायक राजस्व अधिकारी शुभम ने बताया कि एक महीने से पटेल चौक,हटरी मार्किट,चण्डी मंदिर, इंदिरा मार्किट के व्यापारियों को अपने सीमा क्षेत्र में व्यवसाय करने की समझाइस दी जा रही है। बावजूद एक-दो दिन बाद हालात जस के तस हो रहा है।जिसको देखते हुए,अब पेनाल्टी और जब्ती की कार्यवाही निगम प्रारंभ करने की तैयारी कर रहा है।उन्होंने पटेल चौक से तहसील कार्यालय क्षेत्रो पर स्थित दर्जनों दुकानों के बांस बल्ली व टीन शेड लगाकर किये गए कब्जे को स्वयं हटा लेने के लिए 24 घंटे का समय दिया गया है।उन्होंने कहा कि हटाने के बाद दोबारा कब्जा नहीं करने की हिदायत भी दी गई।इन कब्जाधारियों पर कार्रवाही से आम नागरिकों को आवागमन में राहत मिलेगी।

अंग्रेजी बोलने की आदत विकसित करने, प्राथमिक शाला के शिक्षकों को मिला प्रशिक्षण

सरायपाली वि.खं.स्तरीय ई.एल.टी.आई. स्पोकन इंग्लिश शिक्षक प्रशिक्षण (द्वितीय चरण) संपन्न

स्पोकन इंग्लिश प्रशिक्षण में शिक्षकों को बीईओ प्रकाशचंद्र मांझी एवं बीआरसीसी सतीश स्वरुप पटेल का मिला मार्गदर्शन

शंकर लहरे / सरायपाली (समय दर्शन) जिला शिक्षा अधिकारी महासमुन्द मोहन राव सावंत, प्राचार्य डाइट महासमुंद एवं डीएमसी (समग्र शिक्षा) डीएमसी कमल नारायण चंद्राकर के संयुक्त निर्देशन में ई.एल.टी.आई. स्पोकन इंग्लिश प्रशिक्षण कार्यक्रम अंर्तगत द्वितीय चरण का प्राथमिक शाला के शिक्षकों का विकासखंड स्तरीय पांच दिवसीय गैर आवासीय प्रशिक्षण ,शास.हाईस्कूल झिलमिला (सरायपाली) में दिनांक 29 जुलाई से 02 अगस्त 2024 तक सम्पन्न हुआ।

स्पोकन इंग्लिश शिक्षक - प्रशिक्षण में प्रतिभागी टीचर्स की काफ़ी सक्रियता रही और ग्रुप एक्टिविटी में उत्साह देखते बन रहा था।बीईओ प्रकाशचंद्र मांझी ने औचक निरीक्षण कर प्रशिक्षणार्थियों के द्वारा किए

जा रहे अंग्रेज़ी भाषा में कन्वर्सेशन को ध्यान से सुना और स्पोकन इंग्लिश के लिए प्रोत्साहित भी किया। इस प्रशिक्षण में अंग्रेज़ी भाषा के प्रति झिझक दूर करते हुए आत्म विश्वास के साथ स्पोकन इंग्लिश के साथ बहुभाषिता हेतु भाषाई क्षमता विकास पर जोर दिया।बीईओ ने कहा कि यह प्रशिक्षण तभी सार्थक है जब आप अपने स्कूलों में बच्चों के साथ इंप्लीमेंट करें।

बीआरसीसी सतीश स्वरुप पटेल ने स्पोकन इंग्लिश प्रशिक्षण के उद्देश्य एवं दूरगामी परिणाम के संबंध में शिक्षकों से चर्चा करते हुए आवश्यक मार्गदर्शन किया तथा शिक्षकों से अंग्रेज़ी बोलने, अंग्रेज़ी में वार्तालाप करने,गतिविधि करने को बढ़ावा देने प्रशिक्षण कक्ष में किए जा रहे विभिन्न एक्टिविटी को देखकर खुशी जाहिर की।

प्रशिक्षण में फ्लाईडिंग ट्विंस, रोल प्ले, व्हाटइवर स्पीक नॉनस्टॉप, पिक एंड स्पीक,मॉक पंचायत, कन्वर्सेशन ऑन गिवन सिचुएशन, प्रेजेंटिंग एडवरटाइजमेंट, स्टोरी ऑफ माई लाईफफ्लाईडिंग डिफेरेंटेशन, डिबेट,गेसिंग गेम आदि गतिविधियां कराई गई। टीचर्स की भागीदारी बढ़ाने मॉड्यूल अनुसार विभिन्न गतिविधियां कराई गई जिससे टीचर्स लाभान्वित हुए।

हर प्रशिक्षण प्रभावी प्रशिक्षण की तर्ज पर बतौर डीआरजी/ प्रशिक्षक सुब्रत प्रधान, यशवन्त कुमार चौधरी, शैलेन्द्र कुमार नायक, संजय कुमार नाग ने प्रशिक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और प्रभावी प्रशिक्षण दिया। हाईस्कूल झिलमिला एवं बीआरसीसी स्टॉफ युगेश कुमार चौधरी का भी खूब सहयोग प्राप्त हुआ।

संक्षिप्त समाचार

अम्लेश्वर में आदमी का अंतिम सफर भी मुश्किल भरा, मुक्तिधाम के रास्ते कीचड़ से लतपथ, छत से टपकता है पानी

पाटन (समय दर्शन)। ग्राम अम्लेश्वर में किसी का मौत होने के बाद उनका अंतिम सफर भी बहुत मुश्किल भरा रहता है। शमशान घाट जाने का रास्ता में पानी भरा रहता है। वही रास्ता कीचड़ से लतपथ भी है। अर्थी लेकर जाने वाले परिजनों तथा अंतिम यात्रा में शामिल होने जाने वाले ग्रामीणों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है। आलम तो यह है को जब लाश जलता रहता है और बारिश हो है तो परेशानी और भी बढ़ जाती है। शमशान घाट में पक्का शेड बनाया गया है वह भी काफी जीर्ण शीर्ण हो गया है। पानी टपकता रहता है। अमलेश्वर को ग्राम पंचायत से भले ही नगर पंचायत का दर्जा मिल गया है। लेकिन यहां के लोगो की ग्राम पंचायत जैसा सुविधा भी नही मिल पा रहा है। यहां पर शमशान घाट जाने वाले मार्ग को हालत बेहद खराब है। गर्मी और ठंड के दिनो मे किसी तरह काम निकल जाता है लेकिन बारिश के दिनो मे शमशान तक पहुंचने के लिए बहुत की तकलीफों का सामना करना पड़ता है। कच्ची सड़क है वही मिट्टी वाली सड़क होने के कीचड़ हो जाता हैं। शनिवार को गांव के ही नारायण साहू का निधन हो गया। उसके परिजन ओर ग्रामीण उसका अंतिम संस्कार करने शमशान घाट ले गए। लेकिन बरसात होने के कारण बहुत दिक्कत हुई। पूरा रास्ता कीचड़ से भरा है। वही श्मशान में पक्का शेड छत वाला शेड बनाया गया है। वह शेड भी काफी जर्जर हो गया है। अमलेश्वर के रहने वाले धर्मेंद्र साहू ने बताया की बारिश के समय पानी टपकता है। इस रास्ता को बनाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा की आज मृतक के अंतिम यात्रा में शामिल लोगो को काफी परेशानी हुई।

40लीटर अवैध महुआ शराब के साथ एक व्यक्ति को बसना पुलिस ने किया गिरफ्तार

बसना (समय दर्शन)। दिनांक 02/08/2024 को मुखबीर से सूचना पर घटना स्थल कांटा तालाब किनारे ग्राम छिर्राचुआं रोड में आरोपी शिव कुमार साव पिता सुदर्शन साव उम्र 32 साल साकिन छिर्राचुंआ थाना बसना जिला महासमुंद छ0ग0 के कब्जे से एक नीला रंग के 100 लीटर क्षमता वाली प्लास्टिक ड्रम के अंदर रखे 08 नग प्लास्टिक झिल्ली में भरी प्रत्येक झिल्ली में करीबन 05-05 लीटर कुल 40 लीटर हाथ भट्ठी निर्मित महुआ शराब कीमती 8000 रूपये को बिक्री हेतु रखा था जिसे विधिवत गवाहो के समक्ष बरामद कर जप्त कर सीलबंद किया गया । आरोपी के विरूद्ध अपराध धारा 34(2) आबकारी एक्ट कायम कर आरोपी को गिर0 कर ज्यूडिसियल रिमांड पर माननीय न्यायालय पेश किया जाता है।

गिरफ्तार आरोपी का नाम - शिव कुमार साव पिता सुदर्शन साव उम्र 32 साल साकिन छिर्राचुंआ थाना बसना जिला महासमुंद छ0ग0

जप्त संपत्ती - एक नीला रंग के 100 लीटर क्षमता वाली प्लास्टिक ड्रम के अंदर रखे 08 नग प्लास्टिक झिल्ली में भरी प्रत्येक झिल्ली में करीबन 05-05 लीटर कुल 40 लीटर हाथ भट्ठी निर्मित महुआ शराब कीमती 8000 रूपये संपूर्ण कार्यवाही थाना बसना पुलिस द्वारा किया गया है।

राज्य स्तर से चयनित पीडीएमसी होने के बावजूद बगैर अनुमति के निकाय स्तर में किया गया पीडीएमसी का चयन

चयन में फर्जी दस्तावेजों के आधार पर किया गया तकनीकी मूल्यांकन

मुख्यमंत्री से भाजपा प्रदेश अध्यक्ष, महापौर के साथ एमआईसी सदस्यों ने अमृत मिशन को जल्द पूरा कराने के लिए अपेक्षित राशि की मांग

जगदलपुर (समय दर्शन)। नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग (सूडा) द्वारा भारत सरकार की महत्वाकांक्षी योजना अमृत मिशन में जल प्रदाय योजना का कार्य जगदलपुर को छोड़कर पूरे राज्य में कार्य पूर्ण किये जा चुके है, तथा सभी शहरो में जल आपूर्ति भी किया जा रहा है तथा केंद्र सरकार द्वारा अमृत मिशन के तहत दूसरा फेज भी लागू कर दिया गया है, जबकि जगदलपुर में अभी तक प्रथम चरण की योजना पूर्ण नही हो सकी है। नगर पालिक निगम जगदलपुर के अधिकारियों की उदासीनता के चलते करोडो खर्च करने के बाद भी योजना पूर्ण नही हो सकी है। कार्य बंद होने के सबंध में ठेकेदार द्वारा भुगतान लंबित होने की बात कही जा रही है, ठेकेदार द्वारा 90 प्रतिशत कार्य पूर्ण बताया जा रहा है। वहीं विगत दिनों मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के जगदलपुर प्रवास के दौरान प्रदेश अध्यक्ष भाजपा एवं विधायक किरण देव, महापौर सफीरा साहू के साथ एमआईसी सदस्यों ने अमृत मिशन को जल्द पूरा कराने के लिए अपेक्षित राशि की मांग की है।राज्य द्वारा अमृत मिशन 1.0 के शेष बचे हुए एवं अमृत 2.0 के समस्त कार्यों के लिए चयनित पी.डी.एम.सी. (मेसर्स शाह टेक्निकल) होने के बाद भी जगदलपुर नगर पालिक निगम द्वारा बिना किसी अनुमति के अलग पी.डी.एम.सी. एजेंसी के रूप में मेसर्स पुराणिक ब्रदर्स का चयन किया गया, जिससे एक ही कार्य हेतु दो अलग फर्म को भुगतान किया जा रहा है, इससे शासन को करोड़ों का चूना लगाया जा रहा है। जबकि केंद्र सरकार के दिशा-निर्देशों के अनुसार अलग पी.डी.एम.सी. रखने के लिए अमृत मिशन डायरेक्टर की अनुमति आवश्यक होती है, लेकिन जगदलपुर निगम द्वारा बिना किसी अनुमति के अधिकारियों द्वारा स्वयं का स्वार्थ पूरा करने के लिए अलग से पी.डी.एम.सी. का चयन किया गया ।

बिना तकनीकी अनुमति के जारी कर दिया कार्यादेश - यहां महत्वपूर्ण बात यह है कि किसी भी कार्य के लिए तकनीकी अनुमति होना आवश्यक होता है, तथा 1.50 करोड़ से अधिक के कार्य हेतु अधीक्षण अभियंता द्वारा तकनीकी स्वीकृती प्रदान की जाती है किन्तु अमृत मिशन हेतु निकाय स्तर में पी.डी.एम.सी. चयन के टेंडर हेतु किसी भी प्रकार से तकनीकी स्वीकृती नही लिया गया तथा बिना स्वीकृती के ही टेंडर जारी कर कार्यादेश प्रदान कर दिया गया, जो कि गंभीर भ्रष्टाचार का विषय है।

फर्जी दस्तावेजों के आधार पर किया गया तकनीकी मूल्यांकन- डोंगरगांव जनपद में तकनीकी सहायक के पद पर पदस्थ शशिकांत देवांगन दोनों भाई हैं। सूत्रों की मानें तो शशिकांत देवांगन द्वारा डोंगरगांव जनपद में पदस्थ रहते हुए अपने कार्य क्षेत्र की विभिन्न पंचायतों में भी फर्म अनंत बिल्डकॉन रिसाली का देयक भुगतान कराकर ठेकेदारी कार्य किया गया है, जो जांच का विषय है। ग्राम पंचायत बम्हनीभाठा में मनरेगा योजना के तहत अमृत सरोवर में रिटर्निंग स्ट्रख कार्य कराया गया था, जिसमें ग्राम के मजदूरों द्वारा कार्य किया गया था, जिसका मस्टरोल क्रमांक 14267 तथा 14487 है। मस्टररोल में ग्राम के मजदूरों की 45 दिवस की उपस्थिति दर्ज की गई थी, जिसका भुगतान पी.डी.एम.सी. कार्य हेतु पुराणिक ब्रदर्स द्वारा जमा किये गए अधिकारियों के बायोडाटा में फर्जी अनुभव दिखाया गया है, 25 साल के व्यति को 22 वर्ष का अनुभव बताया गया तथा अधिकारियों द्वारा फर्जी बायोडाटा के आधार पर तकनीकी मूल्यांकन कर दिया गया, इसमें महत्वपूर्ण बात यह है कि तकनीकी मूल्यांकन को कार्यपालन अभियंता/नोडल अधिकारी स्तर के अधिकारी का अनुमोदन आवश्यक होता है किन्तु तकनीकी मूल्यांकन को सब इंजिनियर द्वारा अनुमोदन किया गया है जो कि शासन के नियमो के विरुद्ध है। पुराणिक ब्रदर्स द्वारा टेंडर प्रक्रिया हेतु प्रदान किये गए बायोडाटा उच्च अनुभव वाले अधिकारियों का दिया गया था, किन्तु साईट पर उन अधिकारियों को नियुक्त नही किया गया। टेंडर के दिशा-निर्देशानुसार टेंडर में दिए गए बायोडाटा वाले ही अधिकारियों को नियुक्त किये जाने थे।

3 अधिकारियों की नियुक्ति कर लिया जा रहा 6-7 अधिकारियों के नाम पर भुगतान- टेंडर के दिशा-निर्देशानुसार अमृत मिशन के कार्य हेतु पुराणिक ब्रदर्स को 7 अधिकारियों की नियुक्ति किया जाना था, तथा निगम द्वारा पी.डी.एम.सी. के कार्य हेतु भुगतान नियुक्त किये गए अधिकारियों के अनुसार किया जाना था, किन्तु पुराणिक ब्रदर्स द्वारा 3 अधिकारियों की नियुक्ति करके 7 अधिकारियों की नियुक्ति का बिल प्रस्तुत किया जा रहा है, तथा इस मामले में निगम के अधिकारियों की चुप्पी भ्रष्टाचार की तरफ साफ़ इशारा कर रही है।

अधिक लागत वाले एजेंसी को दिया गया पी.डी.एम.सी. का कार्य

पी.डी.एम.सी. हेतु जारी किये गए टेंडर में 3 ठेकेदारों ने क्वालीफाई किया था, जिसमे सबसे कम लागत मेसर्स मार्श इंजीनियरिंग (1.33 करोड़) की थी, किन्तु भ्रष्टाचार में संलिप्त अधिकारिओं द्वारा अधिक लागत (1.71 करोड़) में कार्य पुराणिक ब्रदर्स को दिया गया। इस प्रकार अधिकारियों द्वारा ठेकेदार से मोटी रकम लेकर अधिक लागत में कार्य पुराणिक ब्रदर्स को दिया गया।

अधिकारी-पी.डी.एम.सी. एजेंसी मालामाल जनता परेशान- निगम के अधिकारियों के भ्रष्टाचार की वजह से 2016 की योजना 8 साल बाद भी पूर्ण नही हो सकी है, तथा जनता को अभी तक शुद्ध पेयजल नही मिल रहा है, तथा योजना कब तक पूर्ण होगी ये भी बताने से अधिकारी बच रहे है। लेट-लतीफी के परिणामस्वरूप 104 करोड़ की परियोजना का लागत वर्तमान में 150 करोड़ पंहुच गया है। इससे उपरोक्त फर्जीवाड़ा को प्रमाणित करता है।

नगर पालिक निगम के एसडीओ एवं अमृत मिशन प्रभारी अमर सिंह ने नगर पालिक निगम जगदलपुर द्वारा बिना किसी अनुमति के अलग पी.डी.एम.सी. एजेंसी के रूप में मेसर्स पुराणिक ब्रदर्स का चयन करने के सम्बध में उन्होने कहा कि संचनालय से इसकी अनुमति के बाद नियुक्त किया गया है। वहीं अन्य खामियों के संम्बध में उन्होने कहा कि फाईल देखकर ही कुछ कहा जा सकता है।

भैंसमुड़ी में चलाया गया स्वच्छता अभियान कार्यक्रम

जिला पंचायत सीईओ ने लगाया एक पेड़ मां के नाम

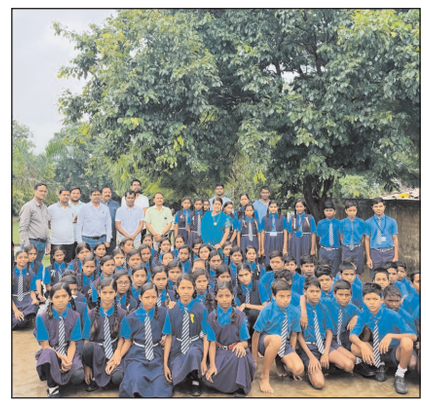

जांजगीर चांपा/ कलेक्टर श्री आकाश छिकारा के निर्देश पर जिला पंचायत मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री गोकुल रावटे के मार्गदर्शन में स्वच्छता कार्यक्रम एवं एक पेड़ मां के नाम अभियान का जिले की विभिन्न ग्राम पंचायत में कार्यक्रम आयोजित हुआ। जिसमे जिला पंचायत सीईओ ने शनिवार को नवागढ़ विकासखंड की ग्राम पंचायत भैसमुडी में आयोजित कार्यक्रम में सम्मिलित हुए। इस दौरान उन्होंने ग्राम पंचायत भैसमुड़ी में स्वच्छता कार्यक्रम के तहत गांवों श्रमदान कर गांव को साफ सफाई के लिए गांव वालो एवम समूह के दीदी को प्रेरित किया गया। साथ ही साथ ही मां के नाम एक पेड़ अभियान के तहत स्कूल प्रांगण में पौधरोपण भी किया गया। इस दौरान उन्होंने जिले में चलाये जा रहे स्वच्छ जांजगीर चांपा, स्वस्थ जांजगीर चांपा, उत्कृष्ट जांजगीर चांपा के बारे में विस्तार से ग्रामीणजनो को जानकारी दी। इस दौरान उन्होंने विद्यार्थियों से पढ़ाई का कोना के संबंध में चर्चा की कैसे पढ़ाई करे इसके बारे में बच्चो से चर्चा करते हुए मार्गदर्शित भी किया। कार्यक्रम के दौरान मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत श्री अनिल झा, स्कूली विद्यार्थियों सहित ग्रामीण उपस्थित रहे।

कमाल है! डोंगरगांव जनपद पंचायत में तकनीकी सहायक बना ठेकेदार ?

राजनांदगांव (समय दर्शन)। जनपद पंचायत, डोंगरगांव में पदस्थ एक तकनीकी सहायक द्वारा शासकीय सेवा में रहते हुए भी नियम विरूद्ध तरीके से ठेकेदार किए जाने का मामला प्रकाश में आया है। सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार तकनीकी सहायक का नाम शशिकांत देवांगन है, जिसके द्वारा ग्राम पंचायत बम्हनीभाठा में तकनीकी सहायक पद पर कार्यरत होतु हुए गांव के मजदूरों का मस्टरोल भरकर सामग्री आपूर्तिकर्ता अनंत बिल्डकॉन (प्रोण् चितेन्द्र कुमार देवांगन तथा जिसका जीएसटी नंबर 22बीएचजेपीडी 1380डी2जेडवाय) निवासी रिसाली को भुगतान कराया गया है। जानकारी के अनुसार चितेन्द्र कुमार देवांगन और पिछले 10 माह से शेष है तथा जनपद पंचायत के तकनीकी सहायक शशिकांत द्वारा उक्त मस्टरोल को निरंक बताकर आज तक राशि प्रदान नहीं किया गया है। इसे लेकर ग्रामीणों ने कलेक्टर जनदर्शन एवं सांसद संतोष पाण्डेय के समक्ष भी लिखित शिकायत पत्र प्रस्तुत किया है, लेकिन शिकायत की जांच आज तक नहीं हो पाई है। इस तरह अधिकारियों द्वारा तकनीकी सहायक शशिकांत को क्लीनचिट दिया जा रहा है, जिसमे मजदूरों के साथ न्याय न करते हुए दोषियों को बचाया जा रहा है, जबकि ग्राम बम्हनीभाठा के मजदूरों के द्वारा लिखित आवेदन में उक्त तकनीकी सहायक को हटाने की मांग की गई है। शशिकांत देवांगन द्वारा उच्च अधिकारियों का साथ होने तथा उनके मार्गदर्शन में ही सभी काम होना बताया जा रहा है। आवेदन देने के बाद जांच अधिकारियों का शशिकांत देवांगन को क्लीनचिट देना, जबकि ग्रामीणों का कहना है कि शशिकांत और अनंत बिल्डकॉन के प्रो. चितेन्द्र देवांगन दोनों भाई हैं तथा जरुरत पड़ने पर इसके लिए आवश्यक दस्तावेज भी वो प्रस्तुत कर सकते हैं। ये सारी बातें जांच के घेरे में आती हैं। ग्रामीणों ने कलेक्टर एवं जिला पंचायत सीईओ से इस मामले की जांच कराकर दोषियों पर कार्यवाही की मांग की है।

कांग्रेस ने भाजपा सांसद अनुराग ठाकुर का फूंका पुतला

राजनांदगांव (समय दर्शन)। देश के सर्वोच्च सदन संसद लोकसभा में बजट चर्चा के दौरान भाजपा सांसद व पूर्व केन्द्रीय मंत्री अनुराग सिंह ठाकुर द्वारा नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के ऊपर की गई अमर्यादित, अलोकतांत्रिक टिप्पणी पर कांग्रेस द्वारा 2 अगस्त को मानव मंदिर चौक पर भाजपा सांसद का पुतला दहन कर विरोध जताया। शहर कांग्रेस महामंत्री अमित चंद्रवंशी ने विज्ञप्ति जारी करते हुए बताया कि लोकसभा में बजट चर्चा के दौरान पूर्व केन्द्रीय मंत्री व भाजपा सांसद अनुराग सिंह ठाकुर द्वारा नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर जाति के सवाल पर अलोकतांत्रिक व अमर्यादित भाषा का उपयोग किया गया, जिसको लेकर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष दीपक बैज के आव्हान पर शहर कांग्रेस अध्यक्ष कुलबीर सिंह छाबड़ा व जिला ग्रामीण कांग्रेस अध्यक्ष भागवत साहू के निर्देशन पर कांग्रेसजनों द्वारा शुक्रवार को मानव मंदिर चौक पर भाजपा सांसद अनुराग सिंह ठाकुर का पुतला दहन कर विरोध जताया। जिला ग्रामीण कांग्रेस अध्यक्ष भागवत साहू ने कहा कि पूर्व केन्द्रीय मंत्री व सांसद अनुराग ठाकुर द्वारा संसद में अमर्यादित भाषा का उपयोग कर संसद की गरिमा का उल्लंघन किया है, जिसका कांग्रेस घोर निंदा करती है और भाजपा सासंद अनुराग ठाकुर पर कार्यवाही की मांग करती है।

पुतला दहन के दौरान प्रमुख रूप से पूर्व मंत्री धनेश पाटिला, श्रीकिशन खंडेलवाल, महापौर हेमा देशमुख, जिपं सदस्य महेन्द्र यादव, मेहुल मारू, पंकज बांधव, शहर कांग्रेस उपाध्यक्ष श्रीमती शारदा तिवारी, विकास त्रिपाठी, मोहम्मद यहया, महामंत्री झम्मन देवांगन, हनी ग्रेवाल, नरेश डाकलिया, दक्षिण ब्लॉक अध्यक्ष सूर्यकांत जैन, युवक कांग्रेस अध्यक्ष गुरभेज माखिजा, मोहिनी सिन्हा, बबलू कसार, अभिमन्यु मिश्रा, अजय मारकंडे, मनीष गौतम, खिलेश बंजारे, पार्षद विनय झा, शरद पटेल, पूर्णिमा नागदेवे, प्रतिमा बंजारे, प्रज्ञा गुप्ता, अतुल शर्मा, मानव देशमुख, मामराज अग्रवाल, सुरेन्द्र देवांगन, विशु अजमानी, सुनील रामटेके, नीरज कन्नौजे, संदीप जायसवाल, देव साहू, दीपक राजपूत, शैलेष ठावरे, ज्ञानदास, राहुल देवांगन, आशीष सोनकर, कमलकांत, राजू सिंह राजपूत, ज्ञानदास मानिकपुरी, सहित कांग्रेसजन उपस्थित थे।

छग के विकास में शुक्ल परिवार का अतुलनीय योगदान : धनेश पाटिला

राजनांदगांव (समय दर्शन)। मध्यप्रदेश के प्रथम मुख्यमंत्री पंडित रविशंकर शुक्ल व पंडित विद्याचरण शुक्ल की जयंती पर शहर जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा 2 अगस्त शुक्रवार को कांग्रेस भवन में संगोष्ठी सभा का आयोजित कर श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

शहर जिला कांग्रेस कमेटी के महामंत्री अमित चंद्रवंशी ने बताया कि प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज के निर्देशानुसार शहर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष कुलबीर सिंह छाबड़ा के निर्देशन में संगोष्ठी सभा का आयोजन किया गया। इससे पूर्व दोनों नेताओं पंडित रविशंकर शुक्ल व पंडित विद्याचरण शुक्ल के तैलचित्र पर कांग्रेसजनों ने पुष्पाजंलि अर्पित कर संगोष्ठी सभा की शुरूआत की। इस दौरान संगोष्ठी सभा को महापौर हेमा देशमुख, पंकज बांधव, श्रीमती शारदा तिवारी, नरेश डाकलिया, प्रमोद बागड़ी ने संबोधित किया।

पूर्व मंत्री धनेश पाटिला ने कांग्रेस के महान विभूतियों को नमन करते हुए कहा कि देश के आजादी के लिए पंडित रविशंकर शुक्ल की अहम भूमिका रही। प्रदेश के विकास के साथ-साथ भिलाई स्टील प्लांट के निर्माण में अतुलनीय योगदान रहा। विद्या भईया देश के साथ-साथ अविभाजित मध्यप्रदेश व छत्तीसगढ़ के विकास के लिए अनेकों कार्य किए है। इंदिरा जी के प्रधानमंत्रित्व काल में सूचना-प्रसारण व जल संसाधन मंत्री बने और देश के विकास में अपना योगदान दिए थे।

जिला ग्रामीण कांग्रेस अध्यक्ष भागवत साहू ने कहा कि विद्या भईया आजीवन समाजसेवा व देश सेवा में लगे रहे और उन्होंने कई बार लोकसभा में अविभाजित मध्यप्रदेश व छत्तीसगढ़ का प्रतिनिधित्व किया। वे छत्तीसगढ़ राज्य निर्माण के लिए काफी संघर्ष किया था। विद्या भइया को कांग्रेस का कद्दावर नेता के रूप में जाना जाता है, वे महासमुंद क्षेत्र के 9 बार के सांसद रह चुके है। विद्याचरण शुक्ल का नाम एक दमदार राजनेता के तौर पर जाना जाता है।

संगोष्ठी सभा में शहर कांग्रेस उपाध्यक्ष विकास त्रिपाठी, मोहम्मद यहया, जिपं सदस्य महेन्द्र यादव, दक्षिण ब्लॉक अध्यक्ष सूर्यकांत जैन, युवक कांग्रेस अध्यक्ष गुरभेज माखिजा, मोहिनी सिन्हा, बबलू कसार, अभिमन्यु मिश्रा, अजय मारकंडे, मनीष गौतम, खिलेश बंजारे, पार्षद विनय झा, शरद पटेल, पूर्णिमा नागदेवे, प्रतिमा बंजारे, प्रज्ञा गुप्ता, अतुल शर्मा, मानव देशमुख, मामराज अग्रवाल, सुरेन्द्र देवांगन, विशु अजमानी, सुनील रामटेके, नीरज कन्नौजे, संदीप जायसवाल, देव साहू, दीपक राजपूत, शैलेष ठावरे, राहुल देवांगन, आशीष सोनकर, कमलकांत, राजू सिंह राजपूत, ज्ञानदास मानिकपुरी, ज्ञानदास सहित कांग्रेसजन उपस्थित थे। संगोष्ठी सभा में उपस्थित कांग्रेसजनों का शहर कांग्रेस महामंत्री झम्मन देवांगन ने आभार व्यक्त किया।

खबर-खास

छत्तीसगढ़ की परंपरा व खुशहाली के त्यौहार हरेली की हार्दिक बधाई ...देवेंद्र ठाकुर

गरियाबंद (समय दर्शन)। भाजपा युवा नेता देवेंद्र ठाकुर देवभोग ने प्रदेशवासियों को हरेली तिहार के अवसर पर बधाई और शुभकामनाएं दी हैं।हरेली के अवसर पर शुभकामना संदेश में देवेंद्र ठाकुर ने कहा है कि ' 'परंपरागत रूप से खेती किसानी, हरियाली और पर्यायवरण को समर्पित हरेली त्यौहार छत्तीसगढ़ के लोगों के प्रकृति के प्रति प्रेम और समर्पण को दर्शाता है।छत्तीसगढ़ के गांव गांव में हरेली का पर्व बड़े उत्साह और उमंग से मनाया जाता है. हरेली तिहार पर हम अच्छी फसल की कामना के साथ साथ कृषि के काम आने वाले सभी तरह के उपकरणों की साफसफाई और पूजा करते हैं. हरेली का पर्व हमारी गौरवशाली छत्तीसगढ़ी संस्कृति और विरासत का हिस्सा है।आगे श्री ठाकुर ने कहा कि हमारी सरकार किसानों के हित में लगातार कार्य कर रही है बोनस के साथ 31सौ रुपया धान का समर्थन मूल्य एक मुस्त दे रही है साथ ही हरेली के त्यौहार के अवसर पर प्रदेश की 70 लाख से अधिक महिलाओं को भाजपा सरकार ने महतारी वंदना के तहत एक एक हजार रुपया खाते में दिए गए हैं,ताकि छत्तीसगढ़ का यह त्यौहार और अच्छे से मना सके हरेली के इस अवसर पर एक पेड़ मां के नाम अभियान से सभी को जुड़ने का अपील करते हुए है सभी को कम से कम एक पेड़ जरूर लगाने एवम संरक्षण करने का अपील किया है।

10 में से 6 लोग जोड़ों के पुराने दर्द के लिए नहीं लेते डॉक्टर की सलाह: स्टडी

नई दिल्ली: हेल्थकेयर से जुड़ी सेवाएं प्रदान करने वाले प्रिस्टीन केयर ने हाल ही में एक स्टडी की है। इस स्टडी से पता चला है कि भारत के लोगों के बीच हड्डियों और जोड़ों की सेहत से जुड़ी जागरूकता बहुत कम है। भारत में हर साल राष्ट्रीय हड्डी एवं जोड़ दिवस मनाया जाता है, इसका उद्देश्य सेहतमंद हड्डियों और जोड़ों के महत्व को लेकर लोगों के बीच जागरूकता बढ़ाना है। रिसर्च में सामने आया है कि जोड़ों के पुराने दर्द से पीड़ित 60 प्रतिशत लोग पेशेवर चिकित्सक की सलाह लेने से परहेज करते हैं। अध्ययन में यह भी पता चला है कि सर्वे में शामिल 10 में से केवल 5 लोगों को हड्डी एवं जोड़ों की सेहत से जुड़ी समस्याओं के बारे में पता है। इस अध्ययन के निष्कर्ष बताते हैं कि भारत में हड्डी एवं जोड़ों की सेहत से जुड़ी जागरूकता और इलाज के बीच बड़ा अंतर है। अध्ययन में शामिल एक तिहाई से ज्यादा लोगों ने बताया कि उनके परिवार में हड्डियों और जोड़ों से जुड़ी समस्याओं का पुराना इतिहास रहा है। इससे इन बीमारियों की आनुवंशिक प्रवृत्ति का भी पता चलता है। यहां चौंकाने वाली बात यह है कि अध्ययन में शामिल 67 प्रतिशत लोगों को बोन डेंसिटी टेस्ट के बारे में कोई जानकारी नहीं थी। जबकि ऑस्टियोपोरोसिस जैसी हड्डी की बीमारियों का शुरुआती दौर में ही पता लगाने वाला यह एक बेहद जरूरी टेस्ट होता है। प्रिस्टीन केयर के को-फाउंडर डॉ. वैभव कपूर ने कहा कि, आज, जब हम राष्ट्रीय हड्डी एवं जोड़ दिवस मना रहे हैं, ऐसे में हमारे इस अध्ययन के निष्कर्ष भारत की हेल्थ सर्विस में एक गंभीर समस्या की ओर ध्यान आकर्षित करते हैं, यह समस्या है हड्डी एवं जोड़ों की सेहत के बारे में जागरूकता की कमी। अध्ययन में शामिल 45 प्रतिशत लोगों को इन गंभीर बीमारियों के बारे में जानकारी ही नहीं है। ऐसे में जरूरी है कि देश में सार्वजनिक शिक्षा और जागरूकता से जुड़ी पहलों को प्राथमिकता दी जाए।

आदिवासी कन्या आश्रम में 'न्योता भोज' का आयोजन, परोसी गई खीर, पूरी, सब्जी, पापड़ और सलाद

गरियाबंद (समय दर्शन)। जिले के के विभिन्न स्कूलों में इन दिनों शाला प्रवेशोत्सव के दिन से न्यौता भोजन का सिलसिला चल रहा है।इसी अनुक्रम में आदिवासी कन्या आश्रम गरियाबंद अधीक्षिक रामकुँवर ध्रुव ने अपनी पुत्री योगी ध्रुव एवं पालक नरेंद्र कुमार ध्रुव ने अपने पुत्री तृषा ध्रुव के जन्मदिन पर न्यौता भोजन कराया शासन की महत्वाकांक्षी योजना नेवता भोजन का लाभ विद्यालय में पढ़ने वाले बच्चों को विभिन्न उत्सव,त्यौहार पर्व तथा परिवार जनों के जन्मदिन के उपलक्ष्य में मिल रहा है। आदिवासी कन्या आश्रम गरियाबंद में शिक्षा सत्र प्रारंभ के पश्चात पहली बार नेवता भोजन का कार्यक्रम आयोजित किया गया।बच्चों को मध्यान्ह भोजन के साथ पौष्टिक एवं

स्वास्थ्यवर्धक फल सेब,केला एवं मिठाई का वितरण किया गया,बच्चों को मध्यान्ह भोजन के साथ खीर पूड़ी का वितरण कराया गया!जिसकी शाला प्रबंधन समिति द्वारा भूरि भूरि प्रशंसा की गई साथ ही नेवता भोजन के अवसर बच्चों को कॉपी पर एवं बैग देकर सम्मानित किया गया कार्यक्रम के इस अवसर में जिला पंचायत सभापति लोकेश्वरी नेताम,संस्था के अधीक्षिका एवं प्रधान पाठक रामकुँवर ध्रुव,शिक्षिका सिवानी मिश्रा, ललिता ध्रुव,प्रमिला देवांगन,पालक कुलेश्वरी ध्रुव,नरेंद्र कुमार ध्रुव,आदिवासी विकास परिषद के जिला अध्यक्ष उमेदि कोर्राम,सुरेश पैकरा,नीलेश ध्रुव,लयन ध्रुव,मिना बाई,तनु सिंग,नोगेश्वरी ध्रुव उपस्थित रही।

उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा के पहल पर पेराई सीजन वर्ष 2023-24 के सभी गन्ना किसानों को शत-प्रतिशत भुगतान जारी

भोरमदेव शक्कर कारखाने द्वारा गन्ना किसानों को कुल 113 करोड़ 52 लाख रुपए का भुगतान जारी

किसानों को जल्द ही रियायत दर पर 50 किलो शक्कर प्रदान किया जाएगा

कवर्धा (समय दर्शन)। प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व और उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा के मार्गदर्शन में अन्नदाता किसानों के हित में लगातार काम कर रही है, जिससे किसानों की आय में वृद्धि हो रही है। उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा के निर्देश पर पवित्र सावन महीने में भोरमदेव सहकारी शक्कर कारखाना राम्हेपुर के द्वारा त्योहारी सीजन में गन्ना किसानों को एफआरपी गन्ना भुगतान अंतर्गत 6 करोड़ 02 लाख रुपए का भुगतान जारी किया गया है। इस भुगतान के साथ भोरमदेव सहकारी शक्कर कारखाना द्वारा पेराई सीजन वर्ष 2023-24 में कारखाने में गन्ना बेचने वाले किसानों को कुल 113 करोड़ 52 लाख रुपए का भुगतान जारी कर दिया गया है। इस प्रकार इस सत्र में गन्ना बेचने वाले समस्त किसानों का 100 प्रतिशत भुगतान कारखाने के द्वारा जारी कर दिया गया है।

भोरमदेव सहकारी शक्कर कारखाना के प्रबंध संचालक श्री जी.एस. शर्मा ने बताया कि भोरमदेव शक्कर कारखाने का 100 प्रतिशत भुगतान जारी हो गया। वही दूसरी ओर किसानों को जल्द ही रियायत दर पर 50 किलो शक्कर प्रदान किया जाएगा। उन्होंने बताया कि सावन के पवित्र महीने और त्यौहारों के सीजन में गन्ना बिक्री की राशि मिलने से क्षेत्र के गन्ना किसानों के चेहरे खिले हुए हैं। भोरमदेव सहकारी शक्कर कारखाना द्वारा पूर्व वर्षों के अनुसार ही एफआरपी गन्ना राशि का शत प्रतिशत भुगतान कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि क्षेत्र के किसानों की जागरूकता और उच्च क्वालिटी की गन्ना कारखाने को आपूर्ति करने के कारण रिकवरी में भी पिछले वर्ष से वृद्धि हुई है।

किसान अब 16 अगस्त तक करा सकेंगे फसल का बीमा

गरियाबंद (समय दर्शन)। जिले के ऋणी और अऋणी किसान अब 16 अगस्त तक खरीफ कृषि फसल एवं मौसम आधारित उद्यानिकी फसलों का बीमा करा सकेंगे।छत्तीसगढ़ सरकार के प्रस्ताव पर केन्द्र सरकार ने फसल बीमा कराए जाने की अंतिम तिथि 31 जुलाई को बढ़ाकर अब 16 अगस्त 2024 कर दिया है।प्राकृतिक आपदाओं से होने वाले फसल नुकसान से किसानों को राहत दिलाने के लिए प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना तथा पुनर्गठित मौसम आधारित उद्यानिकी फसल बीमा योजना संचालित की जा रही है।कलेक्टर दीपक अग्रवाल ने कृषि विभाग के अधिकारियों को प्रधानमंत्री फसल बीमा का लाभ दिलाने के लिए जिले के ऋणी एवं अऋणी किसानों को मार्गदर्शन देने तथा उनका पंजीयन कराने को कहा है, ताकि प्राकृतिक आपदा से फसल नुकसान होने पर उन्हें क्षतिपूर्ति मिल सके।कृषि विभाग द्वारा खरीफ वर्ष 2024 के लिए प्रधानमंत्री फसल बीमा के लिए जारी अधिसूचना के अनुसार योजना का लाभ लेने के लिए किसानों को पंजीयन कराना जरूरी है। इसके लिए पूर्व में अंतिम तिथि 31 जुलाई 2024 निर्धारित की गई थी। राज्य सरकार के विशेष प्रयासों से केन्द्र सरकार ने फसल बीमा की अवधि को बढ़ाकर अब 16 अगस्त कर दिया है।जिले के किसान प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अंतर्गत धान सिंचित,असिंचित,मक्का,अरहर,मूंग,उड़द, कोदो-कुटकी,रागी फसल का बीमा करा सकते हैं। गौरतलब है कि प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत प्रतिकूल मौसम, सूखा, बाढ़, जलप्लावन, ओलावृष्टि आदि प्राकृतिक आपदाओं से किसानों को होने वाले फसल नुकसान की क्षतिपूर्ति होती है।योजना में ऋणी और अऋणी किसान जो भू-धारक व बटाईदार हो, शामिल हो सकते हैं।ऐसे किसान जो अधिसूचित ग्राम में अधिसूचित फसल के लिए बीमा कराना चाहते हैं वे नियत तिथि 16 अगस्त के पूर्व अपना फसल बीमा करा सकते हैं।इसके लिए किसान अपना आधार कार्ड, ऋण पुस्तिका,बी-1 पॉचशाला खसरा,बैंक पासबुक की छायाप्रति एवं बोनी प्रमाण पत्र के साथ पंजीयन कराना होगा।किसान बैंक अथवा चॉईस सेंटरों के माध्यम से भी फसल बीमा कराया जा सकता है।कृषि विभाग द्वारा किसानों से अधिसूचित खरीफ फसलों का बीमा कराने की अपील की गई है।विस्तृत जानकारी के लिए किसान क्षेत्रीय ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी अथवा नजदीकी बैंक शाखा से सम्पर्क कर सकते हैं।

राजस्व मण्डल, छ.ग. बिलासपुर सर्किट कोर्ट, रायपुर

-: राजस्व मामले की नोटिस :-

प्र.क्र. आर.एन./05/आर/अ-6/127/2023
पेशी दिनांक:-13/08/2024

प्रति,
सोहेन्दर सिंग आ. मिया सिंग
निवासी-स्वास्तिक बेकरी के पास, रामनगर सुपेला,
तहसील व जिला-दुर्ग (छ.ग.)
-00-

पुनरीक्षणकर्ता चौहान हाउसिंग प्रा. लि. द्वारा डायरेक्टर अजय चौहान आ. उर्फ दीपेश्वर चौहान निवासी राजीव नगर, सुपेला, भिलाई, तहसील-दुर्ग, जिला-दुर्ग (छ.ग.), द्वारा न्यायालय सदस्य, राजस्व मंडल छ.ग. बिलासपुर, सर्किट कोर्ट, रायपुर के न्यायालय में पुनरीक्षण प्र.क. आर.एन./05/आर/अ-6/127/2023, न्यायालय आयुक्त, दुर्ग संभाग, दुर्ग के प्र.क्र. 458/अ-6/वर्ष 2017-18 पक्षकार शिवशंकर विरूद्ध सोहेन्दर सिंग व चौहान हाउसिंग प्रा. लि., में पारित आदेश दिनांक 24/03/2023 के विरूद्ध पुनरीक्षण याचिका प्रस्तुत किया गया है। उक्त प्रकरण में सुनवाई हेतु दिनांक 13/08/2024 को तिथि नियत है।

अत: उक्त दिनांक को समय दिन के 11.00 बजे इस न्यायालय में आप स्वत: या अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित हो। यदि उक्त तिथि एवं समय को आप खुद या आपके मुख्त्यार या अधिवक्ता उपस्थित नहीं हुए तो मुकदमे का फैसला एकतरफा किया जायेगा।

राजस्व मण्डल, छ.ग.
सर्किट कोर्ट रायपुर

न्यायालय नायब तहसीलदार दुर्ग (अण्डा)

मामले की श्रेणी: राजस्व
संदर्भ : जिला- दुर्ग तहसील-दुर्ग
प.ह.न.-00034 कुथरेल ग्राम के नामांतरण
पंजी में पंजीबद्ध प्रकरण क्रमांक-
CG-2024-25-111-1-2917

ईश्तहार

तहसील दुर्ग के प.ह.न. 00034 के अंतर्गत ग्राम कुथरेल के वर्तमान भूमिस्वामी Gulam Ahmad पिता/पति-M.A. Khan पता-Makan no.265 mazar k pas kelabadi ward no. 41 durg के द्वारा धारित भूमि खसरा क्रमांक 119/1(0.0120), 119/3(0.0209) में प्रस्तावित भूमिस्वामी/क्रेता Inamul Haque Ansari पिता/पति-Masoodul Hafeez Ansari पता-Talwar bhawan ke pas Subhash nagar kelabadi ward kramank 41 durg के नाम पर पंजीयन/फौती होने के उपरांत नामांतरण / अभिलेख दुरुस्ती / खाता विभाजन के लिए प्रकरण अधोहस्ताक्षरकर्ता के न्यायालय में पंजी विचाराधीन है। इस प्रकरण की सुनवाई दिनांक 27/08/2024 को समय सुबह 11 बजे स्थान न्यायालय न्यायालय नायब तहसीलदार दुर्ग (अण्डा) पर की जावेगी।

उपरोक्त के संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति/संस्था को कोई दावा आपत्ति हो तो इश्तहार प्रकाशन उपरांत प्रकरण की आगामी सुनवाई के पूर्व या सुनवाई के समय अपना दावा आपत्ति स्वयं / अधिवक्ता / आममुख्त्यार के माध्यम से पेश कर सकते है। प्रकरण के सुनवाई के लिए निर्धारित तिथि के उपरांत प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 01/08/2024 को जारी किया जाता है।

नायब तहसीलदार
पाटन,जिला दुर्ग (छ. ग.)

न्यायालय नायब तहसीलदार पाटन के न्यायालय मे मामला क्रमांक : 202408101500002

विषय:- अ-6 अ
मामले की श्रेणी: राजस्व
सन:-2023-2024
खम्हरिया प ह न. 00007) पक्षकारों का विवरण-
आवेदक पक्षकार सानेन्द्र कुमार बघेल,
अनावेदक पक्षकार रमेश कुमार,

ईश्तहार

एतद द्वारा सर्व साधारण एवं ग्राम खम्हरिया प.ह.न. 07 तहसील पाटन, जिला दुर्ग के आम जनता को सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है कि आवेदक सानेन्द्र कुमार बघेल पिता नरेश कुमार बघेल उम्र 45 वर्ष निवासी मकान नं. 69 कुरूदडीह तह. पाटन जिला दुर्ग के द्वारा आवेदक के द्वारा ग्राम खम्हरिया प.ह.नं. 07 में स्थित कृषि भूमि ख.न. 544 रकबा 0.52 हे को उपरोक्त वर्णित अनावेदकगण निवासी ग्राम खम्हरिया में दिनांक 11.08.2021 को क्रय किया गया था। आवेदक के द्वारा क्रय किये गये भूमि ख.न. 544 रकबा 0.32 हे. को दिनांक 24.09.2021 को नामातंरण क्र. 75 वर्ष 2020-21 में अपने नाम पर नामांतरण करा लिया था, वर्तमान में आवेदक अपने उक्त भूमि का फसल पंजीयन कराने हेतु ऑनलाईन राजस्व रिकार्ड बी। नक्शा, खसरा निकालने पर ज्ञात हुआ कि उक्त भूमि त्रुटिवश पूर्व भूमिस्वामी अनावेदकगण के नाम पर दर्ज है। उपरोक्त भूमि आवेदक के द्वारा क्रय की गयी भूमि है जिसका नामातरण भी पूर्व में हो चुका है। अभिलेख राजस्व रिकार्ड दुरूस्त किये जाने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया है, के आधार पर प्रकरण न्यायालय में विचाराधीन है।

अत: उपरोक्तानुसार त्रुटि सुधार की कार्यवाही में जिस किसी व्यक्ति संस्था को आपत्ति हो तो अपनी लिखित आपत्ति प्रकरण में सुनवाई तिथि 19.08.2024 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथी के पश्चात प्राप्त दावा आपत्ति पर किसी प्रकार का विचार नहीं किया जावेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 01/08/2024 को जारी किया जाता है।

नायब तहसीलदार
पाटन,जिला दुर्ग (छ. ग.)

न्यायालय नायब तहसीलदार पाटन के न्यायालय मे मामला क्रमांक : 202408101500001

विषय:- अ-6 अ
मामले की श्रेणी: राजस्व
सन:-2023-2024
खम्हरिया (प ह न. 00007), पक्षकारों का विवरण -
आवेदक पक्षकार सानेन्द्र कुमार बघेल,
अनावेदक पक्षकार -राजकुमार,

ईश्तहार

एतद द्वारा सर्व साधारण एवं ग्राम खम्हरिया प.ह.न. 07 तहसील पाटन, जिला दुर्ग के आम जनता को सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है कि आवेदक सानेन्द्र कुमार बघेल आ. नरेश कुमार बघेल उम्र वर्ष निवासी मकान नं. 69 कुरूदडीह तह. पाटन जिला दुर्ग द्वारा ग्राम खम्हरिया प.ह.नं. 07 तह. पाटन में स्थित कृषि भूमि ख.न. 537/2 रकबा 0.30 हे. को उपरोक्त वर्णित अनावेदक क्रमांक 01 निवासी संजय नगर कुम्हारी वार्ड 06 तह. धमधा जिला दुर्ग से दिनांक 24.09.2021 को क्रय किया गया था। आवेदक द्वारा क्रय किये गये भूमि ख.न. 537/2 रकबा 0.30 हे.को दिनांक 21.11.2021 को नामांतरण क्र. जी 5106424092021036 वर्ष 2020-21 मे अपने नाम पर नांमातरण करा लिया था। वर्तमान में आवेदक अपने उक्त भूमि का फसल पंजीयन कराने हेतु ऑन लाईन राजस्व रिकार्ड बी। नक्शा, खसरा निकालने पर ज्ञात हुआ कि उक्त भूमि त्रुटिवश पूर्व भूमिस्वामी अनावेदिका क्रमांक 02 धनेश्वरी आ. रामसहाय के नाम पर दर्ज है। उपरोक्त भूमि आवेदक के द्वारा क्रय की गयी भूमि है जिसका नामांतरण भी पूर्व में हो चुका है अभिलेख राजस्व रिकार्ड दुरूस्त किया जाकर आवेदक के नाम पर राजस्व अभिलेख में दर्ज किये जाने हेतु। आवेदन प्रस्तुत किया गया है. प्रकरण पंजीबद्ध किया गया। प्रकरण न्यायालय में विचारधीन है।

अत: उपरोक्तानुसार त्रुटि सुधार की कार्यवाही में जिस किसी व्यक्ति/संस्था को आपत्ति हो तो अपनी लिखित आपत्ति प्रकरण में सुनवाई तिथि 19.08.2024 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त दावा आपत्ति पर किसी प्रकार का विचार नहीं किया जावेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 01/08/2024 को जारी किया जाता है।

नायब तहसीलदार
पाटन,जिला दुर्ग (छ. ग.)

//कार्यालय सेनानी, सातवी वाहिनी, छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल, भिलाई (छ.ग.)//

क्रमांक- 7वीं बटा./छसबल/भि. / /2024 दिनांक /08/2024

निविदा विज्ञप्ति

सातवी वाहिनी छ.स.बल भिलाई के नक्सल प्रभावित क्षेत्र में पदस्थ कंपनियो के कर्मचारियों हेतु ए.के.47 रायफल मैगजीन पोंच क्रय बाबत् मोहरबंद निविदाएं आमंत्रित की जाती है। प्रत्येक निविदा प्रपत्र का मूल्य 750/-(सात सौ पचास) तथा निविदा के अनुसार सातवी वाहिनी, छसबल, भिलाई के नक्सल प्रभावित क्षेत्र में पदस्थ कंपनियों के कर्मचारियों हेतु ए.के.47 रायफल मैगजीन पोंच क्रय हेतु सीलबंद लिफाफे के उपर निविदा सूचना क्रमांक तथा निविदाकर्ता का पूरा नाम /पता सहित कार्यालय में उचित माध्यम से जमा करें।

क्र0	कार्य का नाम	कार्य की अनुमानित राशि	धरोहर राशि
1	सातवी वाहिनी छसबल भिलाई के नक्सल प्रभावित क्षेत्र में पदस्थ कंपनियों के कर्मचारियों हेतु ए.के.47 रायफल मैगजीन पोच क्रय	7.35.000/-	22050/-

निविदा प्रपत्र, अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय से आवेदन पत्र (आयकर प्रमाण पत्र संहित) के साथ रूपये 750/- कोषालय में लेखा शीर्ष 0055 पुलिस मिसलिनियस रिसिप्ट, 800 के अन्तर्गत सेनानी, सातवी वाहिनी, छसबल, भिलाई, जिला- दुर्ग छ0ग0 के नाम से जमा कर चालान की मूल प्रति सेनानी, सातवी वाहिनी, छसबल, भिलाई, जिला-दुर्ग छ0ग0 को प्रस्तुत कर कार्यालयीन दिवस में निविदा फार्म प्राप्त किये जा सकते है।

निविदा की समय सारणी

1	निविदा फार्म जमा करने का पता	कार्यालय सेनानी सातवी वाहिनी छसबल भिलाई (छ.ग.)
2	निविदा फार्म प्राप्त करने की अंतिम तिथि व समय	दिनांक 08.08.2024 को 17.00 बजे तक
3	निविदा फार्म जमा करने की अंतिम तिथि व समय	दिनांक 24.08.2024 को समय 15.00 बजे तक
4	टेक्निकल बिड जमा किये जाने का स्थान ,समय एवं तिथि	कार्यालय सेनानी सातवी वाहिनी छसबल, भिलाई ,(छ.ग.) दिनांक 24.08.2024 को समय 15.00 बजे तक
5	फायनेंसियल बिड खोले जाने का स्थान ,समय एवं तिथि	पृथक से सूचित किया जावेगा
6	बिड की वैद्यता	31.03.2025 तक

नोट :-01- किन्ही कारणो से यदि निविदा खोलने की तिथि को अवकाश घोषित किया जाता है, तो दूसरे कार्यालयीन दिवस पर निविदा खोली जावेगी।
02- डाक द्वारा भेजा गया निविदा स्वीकार नही किया जावेगा।

G-242501569/1

सेनानी
सातवी वाहिनी, छसबल,भिलाई

कार्यालय अधीक्षण अभियंता, लोक निर्माण विभाग, दुर्ग मण्डल दुर्ग (छत्तीसगढ़)

(ई-प्रोक्योरमेंट निविदा सूचना) दुर्ग, दिनांक 29.07.2024
(प्रथम आमंत्रण)

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल की ओर से ऑनलाईन निविदायें प्रपत्र "अ" में प्रतिशत दर पर दिनांक 20.08.2024 तक आमंत्रित की जाती है:-

निविदा आमंत्रण सू.क्र./ सि.क्र.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (राशि लाख में)
91/156825	उपसंभाग क्र. 03 दुर्ग अंतर्गत विभिन्न आवासीय एवं गैर आवासीय भवनों में विशेष मरम्मत कार्य	45.73
92/156826	लोक निर्माण विभाग अनुविभाग क्र. 01 आलोद के अंतर्गत आवासीय एवं गैर आवासीय भवनों का वार्षिक मरम्मत कार्य	50.00
93/156827	नवागढ उपसंभाग के अंतर्गत मुख्यालय सेक्शन के विभिन्न आवासीय एवं गैर आवासीय भवनों का साधारण मरम्मत कार्य	49.85
94/156828	नवागढ उपसंभाग के अंतर्गत आवासीय एवं गैर आवासीय भवनों का रंगाई पोताई का कार्य	50.00
95/156829	बेमेतरा उपसंभाग के अंतर्गत विभिन्न आवासीय एवं गैर आवासीय भवनों विशेष मरम्मत, एम.ओ.डब्ल्यू. एवं जमा का कार्य	49.99
96/156830	बेमेतरा उपसंभाग के अंतर्गत विभिन्न गैर आवासीय भवनों का रंगाई पोताई का कार्य	50.00
97/156831	बेमेतरा उपसंभाग के अंतर्गत विभिन्न आवासीय भवनों का रंगाई पोताई का कार्य	50.00
98/156841	बेमेतरा उपसंभाग के अंतर्गत विभिन्न गैर आवासीय भवनों में साधारण मरम्मत कार्य	80.00
99/156832	बेमेतरा उपसंभाग के अंतर्गत विभिन्न आवासीय भवनों में साधारण मरम्मत कार्य	80.00
100/156833	साजा उपसंभाग के अंतर्गत विभिन्न मार्गो के पुल-पुलिया का विशेष एवं साधारण मरम्मत	50.00
101/156834	बेमेतरा उपसंभाग के अंतर्गत विभिन्न मार्गो के पुल-पुलिया का विशेष एवं साधारण मरम्मत	50.00

टीप- 1. एन.आई.टी.क्रं 91 लोक निर्माण विभाग दुर्ग संभाग दुर्ग से संबंधित है, एन.आई.टी. क्रं 92 लोक निर्माण विभाग, बालोद संभाग बालोद से संबंधित है, एन.आई.टी.क्रं 93 से 101 लोक निर्माण विभाग बेमेतरा संभाग बेमेतरा से संबंधित है ।
2. उपरोक्त निर्माण कार्यों की निविदा की सामान्य शर्ते, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट वेब portal एवं विभागीय वेबसाइट http://eproc.cgstate.gov.in से डाऊनलोड की जा सकती है ।
3. पंजीकृत डाक द्वारा कार्यालय में भेजे जाने वाले लिफाफे के ऊपर एन.आई.टी. क्रमांक एवं कार्य का नाम अनिवार्य रूप से अंकित किया जायें ।

G-242501573/2

अर्थक्षिणी अभियंता,
लोक निर्माण विभाग, दुर्ग मंडल दुर्ग

स्वामित्वधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक रोहित खड़तकर द्वारा समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स ग्राम छाटा, पोस्ट देवादा, तहसील पाटन, जिला दुर्ग (छ.ग.) 491111 से मुद्रित कर बी-4, प्रेस काम्प्लेक्स, इंदिरा मार्केट, दुर्ग छ.ग. 491001 से प्रकाशित। संपादक :- रोहित खड़तकर,
समाचार संपादक : दामोदर राव, फोन नं.-0788-4051213, मो. 9827104452, रायपुर कार्यालय:-0771-4218364, ईमेल - samay.darshan191@gmail.com पं. क्र. CHHHIN/2011/41517 डाक पंजीयन क्रमांक छ.ग./दुर्ग/61/2024-26

विष्णु के सुशासन से
सँवर रहा छत्तीसगढ़

श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री

श्री विष्णु देव साय
मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

हरेली तिहार

4 अगस्त 2024

जम्मो छत्तीसगढ़िया मन ला गाड़ा- गाड़ा बधई...

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से
जुड़ने के लिए QR CODE स्कैन करें।

खेती- किसानी अउ खुशहाली

धान खरीदी
3100 रूपए प्रति क्विंटल की दर से
किसानों से 21 क्विंटल प्रति एकड़

मिला बकाया धान बोनस
13 लाख किसानों को मिला
2 वर्ष का बकाया धान बोनस,
खाते में पहुंचे 3716 करोड़ रुपए

प्रधानमंत्री किसान क्रेडिट कार्ड
सहकारी बैंकों के माध्यम से किसानों को
खाद बीज एवं कृषि उपकरणों की खरीदी के
लिए शून्य प्रतिशत ब्याज दर पर लोन

किसानों को अतिरिक्त लाभ
धान का समर्थन मूल्य और रकबा बढ़ने से
किसानों को प्रति एकड़ करीब 25,500 रूपए
का अतिरिक्त लाभ

महावृक्षारोपण अभियान
एक पेड़ माँ के नाम
प्रदेश में रोपे जा रहे करीब 4 करोड़ पौधे

हमने बनाया है, हम ही सँवारेंगे

Visit us : ChhattisgarhCMO ChhattisgarhCMO ChhattisgarhCMO ChhattisgarhCMO DPRChhattisgarh DPRChhattisgarh www.dprcg.gov.in छत्तीसगढ़ जनसंपर्क